रोहतक
सोमवार, 3 मार्च 2025
फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष,
चतुर्थी वर्ष : 29, अंक : 32
पृष्ठ 12 मूल्य 3.00

मौसम
अधि. 26.6
न्यून. 9.7

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

कैथल में पूजा सैनी वोट न डाल पाने की जानकारी देते हुए फोटो : हरिभूमि

कैथल में देवरानी नहीं डाल पाई जेठानी को वोट

कोई महिला पहले ही डाल गई पूजा सैनी का वोट

नगरपालिका सीवन के चुनाव में हुआ जमकर हंगामा

कैथल। सीवन नगर पालिका चुनाव में रविवार को जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान सीवन में बूथ कैप्चरिंग के आरोप का मामला भी सामने आया। एक उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करवाने का आरोप लगा। यह मामला वार्ड नंबर छह के बूथ पर आया, जिसमें ईवीएम मशीन में बटन पर स्याही लगाने का आरोप लगा। इस आरोप के बाद प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। वहीं, चुनाव के बीच आजाद प्रत्याशी हेमलता सैनी की देवरानी पूजा सैनी अपनी जेठानी को वोट नहीं डाल पाई, दरअसल उनकी वोट पहले ही कोई अज्ञात महिला डाल गई। इसके बाद कर्मचारियों ने उन्हें मतदान नहीं करने दिया। पूजा ने आरोप लगाते हुए कहा कि वह दोपहर के समय वोट डालने पहुंची थी। इस दौरान जब वह अंदर उन्होंने वोट पर्ची कर्मियों को दिखाई तो उनका कहना था कि यह वोट तो डल चुका है। इस पर आजाद प्रत्याशियों ने समर्थकों ने हंगामा किया और कर्मियों पर मिलीभगत का आरोप लगाया।

मशीन में खराबी, घंटाभर रुकी वोटिंग

सीवन में वार्ड नंबर 14 में बनाए गए बूथ पर मशीन में खराबी आने के कारण करीब आधे घंटे देरी से मतदान शुरू हुआ। इसके बाद दोपहर के समय वार्ड नंबर 12 के बूथ पर पोलिंग एजेंटों पर मतदाताओं से मतदान करवाने का आरोप लगा। इन आरोपों के बाद डीसी प्रीति ने मौके पर पहुंच व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस पर डीसी ने कहा कि शिकायत मिलने पर ही प्रशासन की ओर से आगामी कार्यवाही की जाएगी।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
पाठक सर्वे योजना हरियाणा
माह: मार्च
दिनांक : 03 मार्च 2025

खबर संक्षेप

ब्रिटेन, फ्रांस व यूक्रेन युद्ध विराम योजना पर सहमत

लंदन। ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन एक युद्धविराम योजना पर काम करने के लिए सहमत हो गए हैं, जिसे अमेरिका के समक्ष पेश किया जाएगा। ब्रिटिश पीएम केअर स्टॉर्मर ने कहा कि यह योजना चार देशों के नेताओं के बीच बातचीत के बाद सामने आई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच 'ओवल ऑफिस' में हुई तीखी बहस के एक दिन बाद यह योजना सामने आई है। (विस्तृत पेज 8 पर)

बिना इजाजत विदेश यात्रा, आईपीएस सस्पेंड

अमरावती। आंध्र प्रदेश सरकार ने पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान बिना पूर्व अनुमति के विदेश यात्रा करने के आरोप में आईपीएस पीवी सुनील कुमार को निलंबित कर दिया। मुख्य सचिव के विजयानंद ने कहा कि प्रतीक्षारत डीजीपी रैंक के कुमार ने यात्रा के नियमों का उल्लंघन था। इससे पहले मामले की प्राथमिक जांच के बाद निर्णय लिया। एजेंसी

विशेष वकील को पद से हटाने की ट्रंप की कोशिश गैरकानूनी

वाशिंगटन। अमेरिका की अदालत ने कहा, संघीय निगरानी एजेंसी के प्रमुख हैंपटन डेलिंजर को पद पर बरकरार रखा जाए। उन्हें हटाने का राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रयास गैर-कानूनी है। न्यायाधीश एमी बर्मन जैक्सन ने स्वतंत्र एजेंसी के प्रमुख को हटाने के राष्ट्रपति के अधिकार को लेकर कानूनी लड़ाई में विशेष वकील कार्यालय के प्रमुख हैंपटन डेलिंजर का पक्ष लिया। भाषा

सीआरपीएफ जवान की पाकिस्तानी पत्नी मेनल भारत पहुंची

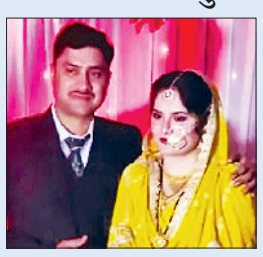

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में तैनात सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) के जवान मुनीर अहमद ने पाकिस्तान की युवती से ऑनलाइन निकाह किया था, क्योंकि वीजा कारणों के चलते जवान और उसका परिवार पाकिस्तान नहीं जा सका था। ये निकाह जुलाई 2024 में हुआ था। अब 9 महीने बाद जवान की पत्नी मेनल खान भारत अपने सुसराल आई। लेकिन उसे केवल 15 दिन का ही वीजा मिला है। युवती 1 मार्च को युवती वाघा बॉर्डर होते हुए जम्मू-कश्मीर के हंदवाल गांव पहुंची। मुनीर अहमद जम्मू-कश्मीर के भलवाल में राब्ता तहसील के पास हंदवाल गांव के रहने वाले हैं। एजेंसी

गुना: हाईवे से दुल्हन किडनैप, पांच अरेस्ट

गुना। रविवार को दिनदहाड़े एक दुल्हन का अपहरण हो गया। इस दौरान दूल्हे से मारपीट भी की। दूल्हा, दुल्हन के साथ अशोकनगर से राजस्थान के सवाई माधोपुर जा रहा था। इसी दौरान रूठियाई के पास कुछ लोगों ने दुल्हन को अगवा कर लिया। 5 किडनैपरर्स को गिरफ्तार कर दुल्हन को बरामद किया गया है। एजेंसी

9 नगर निगम समेत **40** निकायों में **46.7** फीसदी मतदान

जनता ने सुना दिया फैसला, अब 12 को परिणाम पर टिकीं निगाहें

रोहतक में भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ता भिड़े, गुरुग्राम में वोट काटने पर हंगामा, हिसार में फर्जी वोटर दीवार फांदकर भागे, झज्जर में युवक-युवती फर्जी मतदान करते पकड़े गए, 6 जिलों में ईवीएम खराब

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा में रविवार को 9 नगर निगम समेत 40 निकायों में जनता ने अपना फैसला सुना दिया। अब सबकी निगाहें 12 मार्च को आने वाले परिणाम पर टिक गई हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक प्रदेश में मतदान सुबह आठ बजे से शुरू हुआ। राज्य चुनाव आयोग के अनुसार 46.7% वोटिंग हुई। मतदान का प्रतिशत और बढ़ सकता है, क्योंकि देर शाम तक मतदान केंद्रों के बाहर मतदाताओं की लाइन लगी हुई थी। रोहतक में भाजपा-कांग्रेस समर्थकों में झड़प को छोड़कर लगभग सभी जगह मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। वहीं, पानीपत नगर निगम में 9 मार्च को मतदान होगा। अधिकारियों ने बताया कि इन चुनाव के लिए 51 लाख से अधिक पात्र मतदाता हैं। गुरुग्राम और हिसार समेत 6 जिलों में ईवीएम खराब होने की शिकायतें सामने आईं। हिसार में तो ढाई घंटे तक मतदान रुका रहा। कई स्थानों पर मशीनें बदलनी पड़ीं। फर्जी मतदान की घटनाएं भी सामने आईं। झज्जर के बेरी में 3 लोग फर्जी वोटिंग करते पकड़े गए, जबकि हिसार में कुछ संदिग्ध व्यक्ति पोलिंग बूथ की दीवार फांदकर भाग निकले। (पेज दो भी देखें)

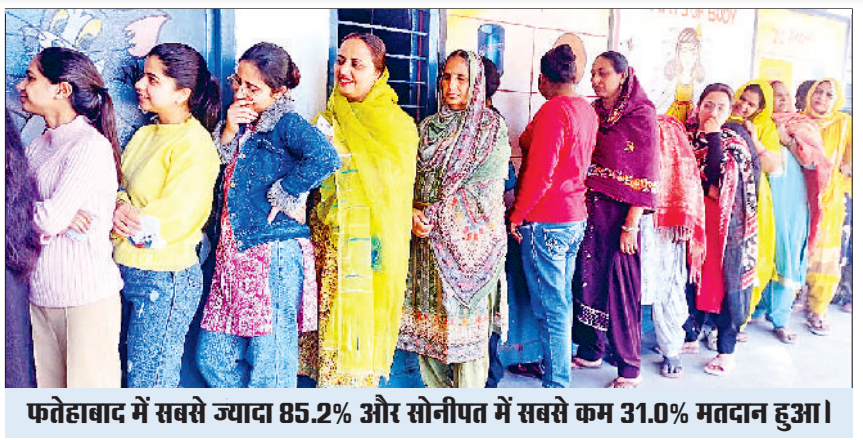

फतेहाबाद में सबसे ज्यादा 85.2% और सोनीपत में सबसे कम 31.0% मतदान हुआ।

इन निगमों में चुनाव

- 7 नगर निगमों-गुरुग्राम, मानेसर, फरीदाबाद, हिसार, रोहतक, करनाल और यमुनानगर के महापौर और वार्ड सदस्यों को निर्वाचित करने के लिए मतदान हो रहा है।
- 2 नगर निगमों अंबाला और सोनीपत में महापौर पद के लिए भी उपचुनाव हो रहे हैं।

इन निकायों में भी मतदान

- अंबाला सदर, पटौदी जटौली मंडी, थानेसर और सिरसा के नगर परिषद अध्यक्ष और सभी वार्ड सदस्यों के लिए भी रविवार को वोट डाले गए।
- गुरुग्राम की सोहना नगर परिषद के अध्यक्ष पद के लिए भी उपचुनाव हो रहा है। -21 नगर समितियों के अध्यक्षों और सभी वार्ड सदस्यों के चुनाव के लिए भी मतदान हो रहा है।
- असंध (करनाल जिला) और इस्माइलबाद (कुरुक्षेत्र जिला) नगर समिति के अध्यक्ष पद के लिए भी उपचुनाव हो रहा है।

चुनाव आयुक्त धनपत बोले

- हरियाणा राज्य निर्वाचन आयुक्त धनपत सिंह ने कहा कि शहरी स्थानीय निकायों के स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव के लिए सुरक्षा सहित व्यापक प्रबंध किए गए हैं।
- नौ नगर निगमों में महापौर पद के लिए 39 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। इसी प्रकार, पांच नगर परिषदों में अध्यक्ष पद के लिए 27 उम्मीदवार मैदान में हैं।
- 23 नगर समितियों के अध्यक्ष पद के लिए कुल 151 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।
- पानीपत नगर निगम के लिए मतदान नौ मार्च को होगा। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद 12 मार्च को सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू होगी।

कहां क्या हुआ

- करनाल और गुरुग्राम में वोटर लिस्ट से नाम गायब होने की शिकायत मिली
- हिसार में भाजपा नेताओं को बूथ पर जाने से रोका गया। करनाल और कैथल में ईवीएम के बटन व स्याही को लेकर विवाद
- झज्जर के बेरी में ईवीएम खराब और छह जिलों में फर्जी वोटिंग को लेकर हंगामा

चुलकाना धाम के लकीसर कुंड में सिर के बल कूदा छात्र, गर्दन टूटने से मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ समालखा

चुलकाना गांव में स्थित चुलकाना धाम के लकीसर कुंड में रविवार को एक छात्र की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि 10वीं का छात्र अंकित निवासी रामायणी चौक, पानीपत कुंड में सिर के बल कूद गया। कुंड में पानी सिर्फ दो फीट था। इसलिए उसका सिर कुंड के तल में लगा और उसकी गर्दन टूटने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि छात्र ने कुंड को गहरा समझकर सिर के बल छलांग लगा दी थी। उसके दोस्त सौरभ और अनिकेत, अंकित को लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां मेडिकल जांच के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद अंकित का शव उसके परिजनों को सौंप दिया और इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

कुंड में सिर्फ 2 फीट था पानी, तल में लगा छात्र का सिर

समालखा में दोस्तों के साथ घूमने चुलकाना धाम गया था अंकित

दोस्तों के साथ गया था

मृतक 17 वर्षीय अंकित अपने दोस्त सौरभ और अनिकेत के साथ रविवार सुबह चुलकाना धाम यात्रा के लिए गया था। सौरभ और अनिकेत की मौसी भी उनके साथ थी। वे चुलकाना धाम पर दर्शन करने के बाद लकीसर कुंड चले गए थे। तभी यह हादसा हो गया।

चार भाई-बहनों में तीसरे नंबर का था

अंकित एक निजी स्कूल में 10वीं कक्षा का छात्र था। उसका एक भाई और दो बहनें हैं। चारों भाई-बहन में वह तीसरे नंबर का था। दो बहनें बड़ी हैं, जबकि भाई छोटा है। उसके पिता कारपेंटर हैं। बेटे की मौत पर परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पोक्सो व आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज

जलगांव में केंद्रीय मंत्री की बेटी के साथ छेड़छाड़

जलगांव (भाषा)। केंद्रीय मंत्री रक्षा खडसे ने महाराष्ट्र के जलगांव जिले में एक कार्यक्रम में लड़कों के एक समूह द्वारा उनकी बेटी और उसकी कुछ सहेलियों को परेशान किए जाने के संबंध में रविवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। शुक्रवार रात कोथली गांव में संत मुक्ताई यात्रा के दौरान यह घटना हुई, जिसके संबंध में मुक्ताईनगर थाने में रक्षा खडसे की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई। मुक्ताईनगर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि प्राथमिकी में सात लोग नामजद हैं, जिनमें से सोहम माली नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है।

युवकों ने वीडियो बनाई, रोका तो गार्ड से मारपीट
मेले में गई थी मंत्री की बेटी, साथ में सहेलियां भी थी

शेयर बाजार धोखाधड़ी, मुंबई की कोर्ट का फैसला

पूर्व सेबी प्रमुख बुच समेत 6 पर एफआईआर के आदेश

बुच पर शेयर बाजार में नियामकीय उल्लंघन के आरोप हिडन बर्ग की रिपोर्ट में किया गया था खुलासा

मुंबई (भाषा)। मुंबई की एक विशेष अदालत ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को शेयर बाजार में कथित धोखाधड़ी और विनियामकीय उल्लंघन के संबंध में शेयर बाजार नियामक सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया है। मुंबई स्थित विशेष एसीबी अदालत के न्यायाधीश शशिकांत एकनाथराव बांगर ने शनिवार को पारित आदेश में कहा, प्रथम दृष्टया विनियामकीय चूक और मिलीभगत के सबूत हैं, जिसकी निष्पक्ष जांच की आवश्यकता है। अदालत ने कहा कि वह जांच की निगरानी करेगा और 30 दिनों के भीतर (मामले की) स्थिति रिपोर्ट मांगी गई है। अदालत ने आदेश में यह भी कहा है कि आरोपों से संज्ञेय अपराध का पता चलता है, जिसके लिए जांच जरूरी है। इसमें कहा गया है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की निष्क्रियता के कारण सीआरपीसी (आपराधिक प्रक्रिया संहिता) के प्रावधानों के तहत न्यायिक हस्तक्षेप की जरूरत है।

इस पर होगी कार्रवाई

बुच के अलावा, जिन अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है, उनमें बीएसई के प्रबंध निदेशक और सीईओ सुंदररामन राममूर्ति, तत्कालीन चेयरमैन और जनहित निदेशक प्रमोद अग्रवाल और सेबी के तीन पूर्णकालिक सदस्य अश्विनी भाटिया, अनंत नारायण जी और कमलेश चंद्र वार्ष्णेय शामिल हैं। शिकायतकर्ता सपन श्रीवास्तव, जो मीडिया रिपोर्टर हैं, ने अपराधों की जांच की मांग की थी, जिसमें वित्तीय धोखाधड़ी, विनियामक उल्लंघन व भ्रष्टाचार शामिल है।

शिकायतकर्ता का दावा

शिकायतकर्ता ने दावा किया कि सेबी के अधिकारी अपने वैधानिक कर्तव्य में विफल रहे, बाजार में हेरफेर को बढ़ावा दिया, तथा निर्धारित मानदंडों को पूरा नहीं करने वाली कंपनी को सूचीबद्ध करने की अनुमति देकर कॉरपोरेट धोखाधड़ी के लिए रास्ता खोला। शिकायतकर्ता ने कहा कि कई बार पुलिस स्टेशन और संबंधित नियामक निकायों से संपर्क करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। भारत की पहली महिला सेबी प्रमुख बुच पर अमेरिका स्थित शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने हितों के टकराव के आरोप लगाए थे। उसके बाद राजनीतिक तनाव के बीच बुच ने शुक्रवार को अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा किया।

उचित कानूनी कदम उठाएंगे : सेबी

सेबी ने कहा कि वह 'इस आदेश को चुनौती देने के लिए उचित कानूनी कदम उठाएगा और सभी मामलों में उचित विनियामक अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।' अदालत के आदेश पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सेबी ने एक बयान में कहा, सेबी की पूर्व चेयरपर्सन, तीन वर्तमान पूर्णकालिक सदस्यों और बीएसई के दो अधिकारियों के खिलाफ एसीबी अदालत, मुंबई के समक्ष एक विविध आवेदन दायर किया गया था। सेबी ने कहा, हालांकि, ये अधिकारी प्रासंगिक समय पर अपने संबंधित पदों पर नहीं थे, फिर भी अदालत ने बिना कोई नोटिस जारी किए या सेबी को तथ्यों को रिकॉर्ड पर रखने का कोई अवसर दिए बिना आवेदन को अनुमति दे दी।

कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी नरवाल हत्या मामले में एसआईटी गठित

मां बोली-अंतिम संस्कार से पहले दोषियों को करें गिरफ्तार

राजनीतिक दल बोले-दोषियों को मौत की सजा दी जाए

रोहतक (हरिभूमि न्यूज)। हरियाणा पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी नरवाल की हत्या के मामले की जांच के लिए रविवार को विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। हिमानी का शव शनिवार को सांपला में एक बस स्टैंड के पास सूटकेस में मिला था। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रोहतक पुलिस की चार टीमें पहले से ही अपराधियों की तलाश में छापेमारी कर रही हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हिमानी (22) रोहतक के विजय नगर में रहती थीं। दूसरी तरफ, हिमानी की मां सविता रानी ने बेटी का शव लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने पार्टी के लोगों पर ही हत्या का शक जताया है। मां ने कहा, जब तक दोषियों को पकड़ा नहीं जाएगा तब तक हम दाह संस्कार नहीं करेंगे ना ही शव लेंगे। सविता ने बताया कि पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने मुझे आश्वासन दिया है कि इस मामले में न्याय मिलेगा और 100 फीसदी न्याय मिलेगा।

पूर्व सीएम हुड्डा ने की एसपी से बात

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि उन्होंने हिमानी हत्या मामले में रोहतक के एसपी से बात की है। उन्होंने कहा कि पुलिस और सरकार को पीड़ित परिवार के लिए शीघ्र न्याय सुनिश्चित करना चाहिए। कांग्रेस नेता और रोहतक से पार्टी विधायक बीबी बत्रा ने कहा कि हिमानी पार्टी की 'बहुत अच्छी और सक्रिय' कार्यकर्ता थीं। 'जिन लोगों ने अपराध किया, उन्हें कड़ी सजा मिलनी चाहिए।'

डीएसपी बोले-हर एंगल से हो रही जांच

सांपला के डीएसपी रजनीश कुमार ने कहा, एसआईटी का गठन हो गया है। हमने हिमानी का मोबाइल रिकवर कर लिया है। साइबर और एफएसएल टीम की मदद से हम हर एंगल से जांच में जुटे हैं। हिमानी रोहतक में अकेली रहती थी। उसकी मां और भाई दिल्ली में रहते थे। हिमानी एलएलबी की पढ़ाई कर रही थी।

मां ने पार्टी के लोगों पर जताया हत्या का शक

हिमानी की हत्या को लेकर उनकी मां सविता रानी ने पार्टी के कुछ लोगों पर शक जताया है। उन्होंने कहा कि जब तक हमे न्याय नहीं मिलता, अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। हमें थाने से फोन आया और बताया गया कि हमारी बेटी का शव सांपला बस स्टैंड पर सूटकेस में मिला है। इस खबर से हमारा परिवार सदमे में है। चुनाव और पार्टी ने उसकी जान ले ली। चुनाव की वजह से उसने कुछ दुश्मन बना लिए। ये (दोषी) पार्टी से भी हो सकते हैं, उसके दोस्त भी हो सकते हैं। 28 फरवरी को वह घर पर थी।

उत्तराखंड में बचाव अभियान पूरा, चार और श्रमिकों के शव मिले, 8 की मौत

देहरादून (भाषा)। उत्तराखंड के चमोली में बदरीनाथ के पास माणा गांव में बीआरओ के शिविर पर हुए हिमस्खलन के कारण लापता चारों मजदूरों के शव रविवार को बरामद हो गए। हादसे में मरने वालों की संख्या आठ हो गई। रक्षा विभाग के पीआरओ मनीष श्रीवास्तव ने कहा कि आखिरी लापता मजदूर का शव भी मिल गया है। इसके साथ ही बचाव अभियान संपन्न हो गया। शुक्रवार को हिमस्खलन के कारण 54 मजदूर बर्फ में फंस गए थे, जिनमें से 46 को बचा लि, जबकि 8 की मौत हो गई।

46 मजदूर सुरक्षित बचाए, एक घायल ऋषिकेश एम्स रेफर

सीमा पर आखिरी गांव है माणा

- 7 शवों को ज्योतिर्मठ लाया गया है, जहां उनका पोस्टमार्टम होगा। भारत-चीन सीमा पर करीब 3,200 मीटर की उंचाई पर स्थित आखिरी गांव माणा में हिमस्खलन होने से बीआरओ शिविर में 54 मजदूर बर्फ में फंस गए थे।
- पहले मजदूरों की संख्या 55 बताई जा रही थी, लेकिन 1 मजदूर के हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा स्थित अपने घर सुरक्षित पहुंच जाने की सूचना मिलने के बाद यह संख्या 54 रह गई।
- सेना के चिकित्सकों ने बताया कि पहले बाहर निकाले 46 श्रमिकों को ज्योतिर्मठ के सैनिक अस्पताल लाया गया है, जिनमें से रीढ़ की हड्डी की चोट से पीड़ित एक श्रमिक को हवाई एंबुलेंस के जरिये बेहतर उपचार के लिए एम्स ऋषिकेश भेज दिया गया है। अस्पताल में भर्ती तीन मजदूरों की स्थिति गंभीर है।

शोध में दावा गर्मी ऊर्जा खत्म कर रही, तेजी से बुढ़ापे की ओर धकेल रही

आदमी थका और चिड़चिड़ा महसूस कर रहा, तनाव आने से एपिजेनेटिक्स में आ रहा बदलाव

भीषण गर्मी हमारी जैविक प्रणाली में ला रही बदलाव, बढ़ रहा खतरा

मेलबर्न (भाषा)। भीषण गर्मी शरीर की सारी ऊर्जा खत्म कर देती है। एक लंबे, गर्म दिन में हम थका हुआ और चिड़चिड़ा महसूस करते हैं, लेकिन लगातार गर्मी की अवधि इससे कहीं ज्यादा ऊर्जा खत्म करती है-वह हमें तेजी से बूढ़ा बनाती है। यह हमारी जैविक प्रणाली में लगातार बदलाव ला रही है। गर्मी से होने वाला तनाव हमारे 'एपिजेनेटिक्स' को बदल देता है। 'एपिजेनेटिक्स' एक शारीरिक प्रक्रिया होती है, जिसमें हमारी कोशिकाएं पर्यावरणीय दबाव का सामना करते हुए 'जीन' को सक्रिय या निष्क्रिय कर देती हैं। अमेरिका में हुए नए शोध में इस महत्वपूर्ण प्रश्न का जवाब तलाशा गया कि अत्यधिक गर्मी मनुष्यों को किस तरह प्रभावित करती है।

निष्कर्ष चिंताजनक

शोध के निष्कर्ष चिंताजनक मिले हैं। एक प्रतिभागी ने जितने ज्यादा दिन तक भीषण गर्मी झेली, उतनी ही तेजी से वह अपनी वास्तविक उम्र के मुकाबले अधिक उम्र के दिखने लगे। लंबे समय तक अत्यधिक गर्मी में रहने वाले बुजुर्ग अपनी वास्तविक उम्र के मुकाबले और अधिक (दो साल से अधिक) बुजुर्ग हो जाते हैं।

बूढ़ा होने की दर हर व्यक्ति में अलग-अलग

उम्र बढ़ना स्वाभाविक है। लेकिन बूढ़ा होने की दर हर व्यक्ति में अलग-अलग होती है। जैसे-जैसे हम जीवन में आगे बढ़ते हैं, हमारे शरीर पर तनाव और आघातों का असर होता है। उदाहरण के लिए, अगर हम लंबे समय तक पर्याप्त नींद नहीं लेते, तो हम तेजी से बूढ़े हो जाएंगे। गर्मी हमें सीधे बीमार कर सकती है या मार सकती है।

ऐसे किया गया परीक्षण : दक्षिणी कैलिफोर्निया विवि के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन में 3,700 लोग शामिल थे, जिनकी औसत आयु 68 वर्ष थी। युवा लोगों की तुलना में बुजुर्गों पर गर्मी का ज्यादा असर देखा गया। उम्र बढ़ने के साथ-साथ शरीर के तापमान को नियंत्रित करने की क्षमता कम होती जाती है, और हम कमजोर पड़ जाते हैं। जैसे-जैसे भविष्य में गर्मी बढ़ेगी, हमारी 'एपिजेनेटिक्स' प्रतिक्रिया में बदलाव होता जाएगा।

रक्त के नमूने लिए

शोधकर्ताओं ने रक्त के नमूने लिए और जीनोम में हजारों जगहों पर एपिजेनेटिक परिवर्तनों को मापा। इसका उपयोग तीन जैविक आयु चक्रों 'पीसीफेनोएज','पीसीग्रिमएज' और 'इयूनेडिनपेस' को मापने के लिए किया। उन्होंने 2010 से 2016, के दौरान प्रत्येक प्रतिभागी के भौगोलिक क्षेत्र में गर्मी के स्तर का पता लगाया। गर्मी का आकलन करने के लिए अमेरिकी ताप सूचकांक का उपयोग किया। इस दौरान सावधानी (32 डिग्री तक के दिन), अत्यधिक सावधानी (32-39 डिग्री) और खतरे (39-51 डिग्री) का आकलन किया। लंबे समय तक भीषण गर्मी के संपर्क में रहने से छह वर्ष की अवधि में जैविक आयु 2.48 वर्ष बढ़ गई। वहीं पीसीग्रिमएज चक्र में आयु 1.09 वर्ष और 'इयूनेडिनपेस' में 0.05 वर्ष बढ़ गई। यह प्रभाव बूढ़ा होने की सामान्य दर की तुलना में 2.48 वर्ष अधिक तेज था।

प्रदेश में निकाय चुनावों के लिए जमकर वोटिंग, अब रिजल्ट का इंतजार

गुरुग्राम में 40 फर्रुखनगर में 77 प्रतिशत लोगों ने वोटिंग की

मानेसर में पहली बार नगर निगम चुनाव हो रहे हैं। गुरुग्राम में 40 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, जबकि जिले के फर्रुखनगर में लगभग 77 प्रतिशत मतदान हुआ। मानेसर में 65 प्रतिशत और सोहना में 35.3 प्रतिशत मतदान हुआ। सोनीपत में लगभग 29 प्रतिशत मतदान हुआ, हालांकि जिले के खरखौदा में 62 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। रोहतक में 53 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया। अंबाला जिले में अंबाला में लगभग 32 प्रतिशत, अंबाला सदर में 52.3 प्रतिशत और बराड़ा में 67.3 प्रतिशत मतदान हुआ। फरीदाबाद में लगभग 40 प्रतिशत मतदान हुआ।

करनाल और असंध में मतदाताओं ने उत्साह नहीं दिखाया

करनाल जिले के असंध में 33.2 प्रतिशत, करनाल में 46.2 प्रतिशत, इंद्री में 72.7 प्रतिशत, नीलोखेड़ी में 67.4 प्रतिशत तथा तरावड़ी में 76.4 प्रतिशत मतदान हुआ। सूत्रों ने बताया कि गुरुग्राम नगर निगम के वार्ड संख्या पांच में एक मतदान केंद्र पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में खराबी के कारण मतदान एक घंटे देरी से शुरू हुआ। हरियाणा राज्य निर्वाचन आयुक्त धनपत सिंह ने इससे पहले कहा था कि शहरी स्थानीय निकायों के स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव के लिए सुरक्षा सहित व्यापक प्रबंध किए गए हैं। सिंह ने बताया कि नौ नगर निगमों में महापौर पद के लिए 39 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।

नगर परिषदों में 27 तो, नगर समितियों में कुल 151 उम्मीदवार

पांच नगर परिषदों में अध्यक्ष पद के लिए 27 उम्मीदवार मैदान में हैं और 23 नगर समितियों के अध्यक्ष पद के लिए कुल 151 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। फरीदाबाद नगर निगम के वार्ड संख्या 36, गुरुग्राम नगर निगम के वार्ड संख्या 22, करनाल नगर निगम के वार्ड संख्या आठ और 11 तथा यमुनानगर नगर निगम के वार्ड संख्या नौ में केवल एक-एक उम्मीदवार मैदान में थे, जिससे इन सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन हो गया। अंबाला सदर नगर परिषद के वार्ड संख्या 24 तथा थानेसर नगर परिषद के वार्ड संख्या सात और 32 के उम्मीदवार भी निर्विरोध निर्वाचित हुए। इसके अलावा, विभिन्न नगर पालिका समितियों में 17 वार्ड सदस्य भी निर्विरोध चुने गए।

छिटपुट घटनाओं को छोड़कर देर शाम तक शांतिपूर्ण रहा मतदान

योगेंद्र शर्मा ▶▶| चंडीगढ़

सूबे में निकाय चुनावों को लेकर रविवार का दिन खास रहा, राज्य के नौ नगर निगमों और 40 नगर निकायों के चुनाव के लिए छिटपुट घटनाओं, शोरगुल, हंगामे, बहसबाजी को छोड़ दें, तो शांतिपूर्ण ढंग से मतदान संपन्न हो गया है। देर शाम तक लाइन में लगे वोटरों को वोट डालने का मौका दिया जा रहा था। छिटपुट घटनाओं की बात करें, तो हिसार अर्बन एस्टेट बूथ पर वोटर लिस्ट लेकर विपक्ष की ओर से आपत्ति की गई। इस दौरान पुलिस से भी भाजपा पदाधिकारियों की नोकझोंक हुई वे मतदान केंद्र में घुस गए। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो बहस शुरू कर दी। गुरुग्राम वार्ड 30 और 32 में कई मतदाताओं को लिस्ट में नाम नहीं मिला, जिस पर काफी देर तक शोरगुल व हंगामे के आसार बने रहे उन्होंने विरोध भी किया। कईं ने कहा कि उन्होंने विस में हाल ही में वोट डाला था, अब लेकिन इस सूची में उनका नाम गायब है।

रोहतक। मतदान के लिए लाइन में लगी महिलाएं।

जींद। मतदान के दौरान लोगों में नजर आया उत्साह।

करनाल

10 मिनट रुकी वोटिंग

करनाल में ईवीएम खराब होने और गलत वोट डालने के आरोप लगाए गए। वार्ड 2 में ईवीएम का बटन खराब होने से 10 मिनट तक मतदान थमा रहा। बूथ नंबर 172 पर संतोष ने आरोप लगाया कि उसका वोट पहले कैसे डाल दिया गया। कुछ अन्य ने दावा किया कि पहले ही उनका वोट डल चुका था।

बवानीखेड़ा

मशीन में गड़बड़ी

बवानीखेड़ा के बिजली बोर्ड के साथ स्थित स्कूल के एक मतदान केंद्र पर रखी ईवीएम में गड़बड़ी आ गई। उस वक्त लाइन में करीब आठ से दस मतदाता लगे हुए थे। मशीन में गड़बड़ी को दुरुस्त करने में करीब पांच से सात मिनट का वक्त लगा। उसको वहीं ठीक कर दिया गया।

रोहतक

प्रत्याशी के भाई पर हमला

रोहतक में बलियाना गांव के पोलिंग बूथ पर भाजपा और कांग्रेस समर्थकों के बीच झड़प हो गई। विवाद बूथ में घुसने को लेकर हुआ, जिसमें वार्ड 11 से कांग्रेस प्रत्याशी परीक्षित देशवाल के भाई प्रशांत घायल हो गए। उन्होंने भाजपा पार्षद पद के उम्मीदवार पक्ष पर आरोप लगाया है।

सोनीपत

चौक गए बैयांपुर के ग्रामीण

गांव बैयांपुर में चौकाने वाला मामला सामने आया। यहां ग्रामीणों को शनिवार देर रात पता चला कि उनका गांव नगर निगम में आता है, जिससे वहां दिनभर लोगों के बीच असमंजस रही। वहीं गंदे पानी की समस्या को लेकर राजेंद्र नगर के निवासियों ने मतदान का बहिष्कार किया।

फतेहाबाद में सबसे ज्यादा, सोनीपत में सबसे कम वोटिंग

जानकारी के अनुसार मतदान फीसदी फतेहाबाद में 84.6 प्रतिशत और सबसे कम 26.4 फीसदी सोनीपत में बताया जा रहा है। अंबाला और सोनीपत में मेयर पद के लिए उपचुनाव हो रहा है। गुरुग्राम, हिसार, रोहतक, फरीदाबाद, मानेसर, यमुनानगर, करनाल में मेयर और वार्ड पार्षदों के लिए मतदान किया गया। पानीपत नगर निगम में 9 मार्च को मतदान होगा। परिणाम 12 मार्च को घोषित किए जाएंगे।

प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी : सीएम

फरीदाबाद में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दावा किया कि हरियाणा में ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने जा रही है। 2014 से प्रदेश में लगातार सरकार विकास कार्य कर रही है।

केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल ने भी किया मतदान

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने करनाल में स्थानीय निकाय चुनाव के लिए अपना वोट डाला। करनाल में, नगर पालिका असंध में अध्यक्ष पद के लिए उपचुनाव हो रहा है।

भाजपा और कांग्रेस में सीधी टक्कर

भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर के आसार अधिकांश स्थानों पर बने हुए हैं। बीजेपी और कांग्रेस के बीच अधिकांश सीटों पर अनुभवी नेता कड़ा मुकाबला बता रहे हैं। 9 नगर निगमों में मेयर पद के लिए 39 उम्मीदवार मैदान में उतरे हुए हैं। जिसमें गुरुग्राम और अंबाला में दोनों पार्टियों के प्रत्याशी आमने-सामने हैं। 5 नगर परिषदों में 27 और 23 नगर पालिकाओं में 151 उम्मीदवार प्रधान पद के लिए चुनाव मैदान में उतरे हुए हैं।

कुरुक्षेत्र में 107 साल की महिला ने किया मतदान

कुरुक्षेत्र। इस्माईलाबाद में 107 साल की बुजुर्ग महिला चंदी देवी मतदान करने पहुंची। मतदान करवाने के लिए उनके पोते उन्हें बाइक पर बैठाकर लाए।

खबर संक्षेप

बजट सत्र के लिए तैयार है सरकार : अनिल विज

चंडीगढ़। ऊर्जा और परिवहन मंत्री अनिल विज ने हरियाणा बजट सत्र को लेकर कहा कि हमारी पार्टी और सरकार हर समय तैयार है और हमारे पास बताने के लिए बहुत कुछ है। मगर अफसोस है कि हरियाणा के विपक्ष के पास पूछने के लिए कोई मुद्दा नहीं है। इनकी आपसी लड़ाई चल रही है और अभी तक यह विधायक दल का नेता तय नहीं कर सके हैं। प्रजातंत्र में दोनों पक्षों की भूमिका आवश्यक होती है, यहां विपक्ष शून्य था, शून्य है और शून्य ही रहेगा। विपक्ष आज भी बंटा हुआ है, मगर हम पूरी तरह से तैयार है। विज नगर परिषद अम्बाला छावनी चुनाव के लिए मतदान के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

धरती बचाने को वन्य जीव संरक्षण जरूरी : राव

चंडीगढ़। हरियाणा के पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा है कि धरती को बचाने के लिए वन्य जीव संरक्षण आवश्यक है। आज प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण जीव-जंतुओं तथा वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट बना हुआ है। इस वर्ष विश्व वन्य जीव संरक्षण दिवस को वन्य जीव संरक्षण, वित्त-लोगो और गृह में निवेश थीम के साथ मनाया जा रहा है। विश्व वन्य जीव दिवस की पूर्व संध्या पर आज यहां जारी एक संदेश में मंत्री राव नरबीर सिंह ने लोगों को आह्वान किया कि इस दिन लोगों को वन्य जीव संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए।

मुख्य सचिव ने वीसी से परीक्षाओं की तैयारियों का लिया जायजा

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से राज्यभर के उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों से आगामी परीक्षाओं की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षाओं के सफल, निष्पक्ष और पारदर्शी संचालन के लिए सख्त निगरानी सुनिश्चित की जाए।परीक्षा केंद्रों पर कड़ी निगरानीमुख्य सचिव ने जिला शिक्षा अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि कोई भी परीक्षाकार्य में तैनात विजिलेटर या परीक्षा संचालक नकल में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके खिलाफ त्वरित एवं कठोर कार्रवाई की जाए। परीक्षा केंद्रों पर किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हरियाणा में चरम पर है बेरोजगारी : सैलजा

चंडीगढ़। सिरसा सांसद सैलजा ने कहा कि भाजपा शासित उत्तर भारतीय राज्य हरियाणा में बेरोजगारी चरम पर पहुंच चुकी है। सरकारी विभागों में लगभग 40 प्रतिशत पद खाली पड़े हुए है, एचकेआरएन के नाम पर भर्तियों का सरकार प्रदेश के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। रोजगार योग्यता के मामले में हरियाणा देश में नौवें स्थान पर पहुंच गया है। सरकार इस मामले में अपनी जिम्मेदारी से पीछा नहीं छुडा सकती उसने युवाओं से रोजगार देने का वायदा किया है तो उसे वायदा निभाना भी चाहिए क्योंकि बेरोजगारी ही इस प्रदेश में अपराध को जन्म दे रही है, इसी के कारण नशे का कारोबार फल फूल रहा है।

हॉकी वूमेन नेशनल चैंपियनशिप शुरू

पंचकूला। पंचकूला ताऊ देवी लाल स्टेडियम में 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर वूमेन नेशनल चैंपियनशिप 2025 के मुकाबले रविवार को शुरू हो गए। प्रतियोगिता का उद्घाटन सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल और वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की नीतियों के सुखद परिणाम आ रहे हैं। बेदी ने बताया कि हरियाणा में आयोजित 12 मार्च तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में देश भर से 30 महिला टीम हिस्सा ले रही हैं।

अंबाला में पोर्टल पर 500 से ज्यादा शिकायतों का समाधान कर रिकॉर्ड बनाया, अब कोई बाकी नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

900 सरकारी स्कूलों के लगभग 50 हजार छात्रों को संभालने वाले जिला मौलिक शिक्षा कार्यालय ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस कार्यालय ने तीन पोर्टल पर आए 500 से ज्यादा शिकायतों का समाधान कर नया रिकॉर्ड कायम किया है। अब विभाग के पोर्टल पर कोई शिकायत लंबित नहीं है। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने कर्मचारियों को इसका श्रेय दिया है। कार्यालय में ज्यादातर शिकायतें सीएम विंडो, जनसंवाद व पीएम विंडो के साथ विभागीय पोर्टल पर आई थी। प्राथमिकता के आधार पर सभी शिकायतों का समाधान किया गया। इन पोर्टलों से होने वाली परेशानी का हवाला देते हुए इनकी खूब आलोचना भी की गई लेकिन सरकार ने पारदर्शिता को तरजीह दी और वह विपक्ष के ऐसे किसी आरोप की परवाह किए बग़ैर इन पोर्टल्स को जारी रखे हुए हैं। कई बार ये शिकायत निवारण पोर्टल उन अधिकारियों के लिए परेशानी का सबब भी बने जो शिकायतों का समय पर या ठीक से निस्तारण नहीं कर पाए।

900 स्कूलों में 50000 विद्यार्थी

इस कार्यालय के अंतर्गत लगभग 900 स्कूलों में करीब 3000 टीचिंग व नॉन टीचिंग कर्मचारी,1500 मिड डे मील कुक्स, 250 पार्ट टाईम कर्मचारी और 50000 विद्यार्थी हैं। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने बताया कि सरकार के तीन शिकायत निवारण पोर्टल सीएम विंडो, जनसंवाद और पीएम विंडो के मूर्त रूप में आने के बाद जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय को सीएम विंडो पर कुल 449, जनसंवाद पर 45 और पीएम विंडो पर 30 शिकायतें प्राप्त हुई थी। कार्यालय के सभी कर्मचारियों विशेष रूप से लिपिक पवन आर्य और सभी खंड शिक्षा अधिकारियों की तत्परता से इन सभी शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है और सरकार के तीनों शिकायत निवारण पोर्टल्स सीएम विंडो, जनसंवाद और पीएम विंडो पर अब जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के खाते में शिकायतों की संख्या शून्य हो गई है।

समृद्ध संस्कृति बनेगी 'विकसित भारत' की पहचान : सैनी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज भारत पूरी दुनिया को शांति का मार्ग दिखा रहा है। चाहे अंतरराष्ट्रीय कूटनीति हो, पर्यावरण संरक्षण हो या वैश्विक महामारी से लड़ने का संकल्प, भारत ने हमेशा मानवता की भलाई के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि भारत की यही परंपरा और संस्कृति 'विकसित भारत' की पहचान होगी। मुख्यमंत्री रविवार को गुरुग्राम के सेक्टर 39 स्थित अहिंसा विश्व भारती संस्था द्वारा नवनिर्मित विश्व शांति केंद्र के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। विश्व शांति केंद्र का उद्घाटन भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की महान संस्कृति और परंपरा ने हमेशा शांति, सहिष्णुता और सद्भाव का संदेश दिया है। यह वह देश है, जहां पर हर युग और हर काल में भगवान श्रीराम और योगीराज श्रीकृष्ण से लेकर भगवान महावीर, महात्मा बुद्ध और गुरु नानक ने जन्म लेकर, समाज को सत्य, अहिंसा, प्रेम, एकता का पाठ पढ़ाया।

विधानसभा अध्यक्ष कल्याण ने कार्य सलाहकार समिति का गठन किया

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने 7 मार्च से शुरू होने वाले बजट सत्र के लिए कार्य सलाहकार समिति (बीएसी) का गठन किया है। विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण इस समिति के पदेन अध्यक्ष होंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह, ऊर्जा मंत्री अनिल विज, संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जातियां एवं पिछड़े वर्ग कल्याण और अंत्योदय (एस.ई.डब्लू.ए) विभागों के मंत्री कृष्ण कुमार, विधायक भूपेंद्र सिंह हूड्डा और गीता भुक्कल इस समिति के सदस्य होंगे।

हरियाणा विधान सभा के उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा, विधायक सावित्री जिंदल और अर्जुन चौटाला को बतौर विशेष आमंत्रित सदस्य शामिल किया गया है। समिति की बैठक 6 मार्च को शाम 4 बजे विधानसभा सचिवालय स्थित विस अध्यक्ष के कार्यालय में होगी। इस बैठक में समिति द्वारा बजट सत्र संबंधी सभी महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे।

90 फीसदी दिव्यांग तेजस्वनी को भजन गायिका बनाने वाली मां को संयुक्त राष्ट्र करेगा सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पंचकूला

90 फीसदी विकलांग बेटी तेजस्वनी को भजन गायिका बनाने वाली मां हर्ष शर्मा को संयुक्त राष्ट्र आगामी 07 मार्च को सम्मानित करने जा रहा है। इसे लेकर मां-बेटी (तेजस्वनी और हर्ष शर्मा) ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से उनके चंडीगढ़ स्थित आवास पर शिष्टाचार भेंट की। साथ ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को संयुक्त राष्ट्र में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया। जिसे मुख्यमंत्री ने स्वीकार करते हुए तेजस्वनी को अपना आशीर्वाद दिया। साथ ही उसके उज्जवल भविष्य की कामना भी की। हरियाणा के पंचकूला में रहने वाली 90 फीसदी विकलांग तेजस्वनी को भजन गायिका बनाने में उसकी मां हर्ष शर्मा की कई सालों की तपस्या शामिल है। जिन्होंने तेजस्वनी के साथ रहकर न केवल उसकी परवरिश की बल्कि उसे भजन गायिका बनाने में भी अहम भूमिका निभाई। यही वजह है कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महिला सशक्तिकरण का जीता जागता उदाहरण बन चुकी इस मां को संयुक्त राष्ट्र सम्मानित करने जा रहा है। यही नहीं बाकायदा संयुक्त राष्ट्र की इंडियन अबेंसी में तेजस्वनी को भजन गाने का अवसर मिलेगा। 37 वर्षीय तेजस्वनी शर्मा भजन गायिका है और वह अपनी कला के बल पर राष्ट्रपति अवार्ड भी हासिल कर चुकी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात के दौरान तेजस्वनी की मां हर्ष शर्मा ने बताया कि हरियाणा सरकार हर मोर्चे पर बेटियों को आगे बढ़ाकर उनका मान-सम्मान बढ़ा रही है।

सीएम से मां-बेटी ने की मुलाकात, निमंत्रण दिया

बेटियों के प्रति सम्मानजनक सोच : सीएम सैनी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कहा कि आज केंद्र और हरियाणा सरकार की महिलाओं और बेटियों के प्रति सम्मानजनक सोच का ही नतीजा है कि बेटियां आगे आकर देश-प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील करते हुए कहा कि तेजस्वनी को भी सरकार विकलांग का दंश झेल रहे बच्चों से जुड़े कार्यक्रमों की ब्रांड एंबेसडर बनाकर मुख्यधारा में लाने का प्रयास करें ताकि ऐसे बच्चों और उनके परिवारों में ऊर्जा का संचार किया जा सके।

कृषि मंत्री का आश्वासन चिंता न करें किसान

दोनों पोर्टल खुले, फसल खराब हुई है तो किसान तीन दिनों में रिपोर्ट दर्ज करवा लें

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा है कि जो किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत पंजीकृत नहीं हैं वे अगले 72 घंटों (तीन दिन) के भीतर हरियाणा क्षतिपूर्ति पोर्टल पर ओलावृष्टि से हुए अपना नुकसान दर्ज कराएं, ताकि कृषि विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर फसल नुकसान का सही आकलन कर सके। राणा ने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे चिंता न करें उनकी खराब फसल के नुकसान की भरपाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि राज्य में किसानों की सुविधा के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और हरियाणा क्षतिपूर्ति पोर्टल के माध्यम से फसल नुकसान की रिपोर्टिंग की व्यवस्था उपलब्ध है जिन किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अपना पंजीकरण करवा रखा है, वे अपने निकटतम कृषि अधिकारी से संपर्क कर अपनी फसल के खराबे की रिपोर्ट दर्ज करवाएं।

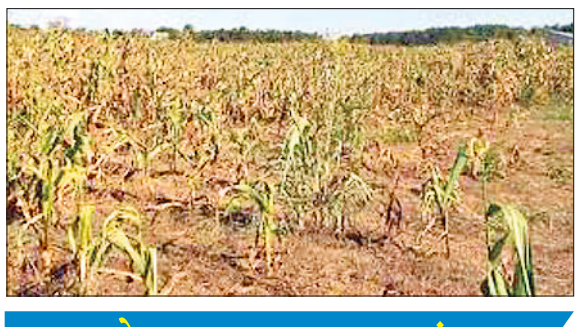

योजना का लाभ उठाएं

कृषि मंत्री ने बताया कि दोनों पोर्टल वर्तमान में खुले हुए हैं। ऐसे में सभी प्रभावित किसानों से आग्रह है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने फसल नुकसान की रिपोर्ट दर्ज करवाकर सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं।

आंकलन करेंगे

जिन किसानों की प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत पंजीकृत नहीं करवाई गई हैं वे आगामी तीन दिन के अंदर हरियाणा क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अपनी फसल की खराबे की रिपोर्ट दर्ज कराएं। इसके बाद दर्ज रिपोर्ट के अनुसार कृषि विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर फसल नुकसान का सही आकलन करेंगे। उन्होंने बताया कि इसके लिए ' मेरी फसल मेरा ब्योरा' पोर्टल पर पंजीकरण होना अनिवार्य है। ऐसे किसान जल्द से जल्द इस पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा लें।

ई-नीलामी सह बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना (परिशिष्ट-IV ए) (नियम 8 (6))

प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 (यहां इसके पश्चात "एक्ट") के प्रवर्तन और वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रत्याभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत आईआईएफएल होम फाइनेंस लिमिटेड (पूर्व में इंडिया इन्फोलाइन हाउसिंग फाइनेंस लि. के रूप में जानी जाती) (आईआईएफएल-एचएफएल) कार्पोरेट कार्यालय प्लॉट नं. 98, उद्योग विहार, फेज-IV, गुड़गांव -122015 (हरियाणा) और शाखा कार्यालय :- "प्रथम तल, एससीएफ 40, रेड क्रॉस मार्केट, रेलवे रोड, हिसार, हरियाणा-385001" के पास गिरवीकृत अचल सम्पत्ति की बिक्री। चूंकि आईआईएफएल-एचएफएल के प्राधिकृत अधिकारी ("एओ") आईआईएफएल-एचएफएल को देय राशि की उगाही हेतु "जैसा है जहां है आधार, जो है जहां है आधार और बिना अवलम्ब आधार" पर इसकी बिक्री के अधिकार सहित निम्नलिखित ऋण अकाउंट्स / प्रोस्पैक्ट नम्बर में अधिनियम की धारा 13 (2) के तहत जारी नोटिस के अनुसरण में निम्नलिखित सम्पत्ति/यों का कब्जा ले चुके थे, बिक्री वेबसाइट : www.iiflonehome.com पर उपलब्ध करवाए गए ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी द्वारा की जाएगी।

कर्जदार(ों)/ सह-कर्जदार(ों)/ गारंटर(ों)	डिमांड नोटिस तिथि और राशि	अचल सम्पत्ति/प्रत्याभूत परिसम्पत्ति का वर्णन	भौतिक कब्जे की तिथि	आरक्षित मूल्य
1. श्री ललित कुमार 2. सुश्री नेहा (प्रोस्पेक्ट नं. IL10439996)	10- जन.-2024 रू. 11,01,372/- (रुपये ग्यारह लाख एक हजार तीन सौ बहत्तर केवल)	महाबीर कॉलोनी, राडा चौक, हनुमान मंदिर रोड, वार्ड नं. 15, तहसील व जिला हिसार-125121 में स्थित खसरा नं. 6357 (5-7), 6359 (2-13), 6360 (3-15), 6361 (4-12), किते 4, खेवट नं. 2059/2020 मिन, खतौनी नं. 2387 का भाग नई प्रोपर्टी आई.डी. नं. P01701062038 वाले प्लॉट नं. 31 के उत्तरी भाग वाली सम्पत्ति के सभी भाग व हिस्से। क्षेत्रफल माप (वर्ग फुट में) : सम्पत्ति प्रकार : Land_Area, Built_Up_Area, Carpet_Area सम्पत्ति क्षेत्रफल : 351.00, 596.00, 635.00 (क्षेत्रफल माप : 506 वर्गफुट)	04- दिस.-2024	रू. 10,10,000/- (रुपये दस लाख दस हजार केवल)
	बोली बढ़ौतरी राशि रू. 25,000/- (रुपये पच्चीस हजार केवल)		कुल बकाया दिनांक 05 फरवरी 2025 के अनुसार रू. 14,37,232/- (रुपये चौदह लाख सैंतीस हजार दो सौ बत्तीस केवल)	धरोहर राशि जमा (ईएमडी) रू. 1,01,000/- (रुपये एक लाख एक हजार केवल)

सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि	ईएमडी अन्तिम तिथि	ई-नीलामी की तिथि/समय
19 मार्च 2025 1100 बजे - 1400 बजे	21 मार्च 2025 अप. 5.00 बजे तक	24 मार्च 2025 1100 बजे - 1300 बजे

भुगतान का मोड :- ईएमडी भुगतान केवल ऑनलाइन मोड के तहत किये जाने हैं। भुगतान करने के लिये आपको https://www.iiflonehome.com पर पधारना होगा और केवल सम्पत्ति /प्रत्याभूत परिसम्पत्ति हेतु उपलब्ध लिंक के माध्यम से भुगतान करना होगा। **टिप्पणी** : प्रत्येक सम्पत्ति/प्रत्याभूत परिसम्पत्ति हेतु भुगतान लिंक अलग है। सुनिश्चित करें आप सार्वजनिक नीलामी के तहत खरीदने के लिये इच्छुक सम्पत्ति/प्रत्याभूत परिसम्पत्ति के लिंक का उपयोग कर रहे हैं।
बकाया भुगतान हेतु - लॉगइन करें https://www.iiflonehome.com >My Bid >Pay Balance Amount

नियम एवं शर्तें :-

1. ई-नीलामी में भाग लेने के लिये, इच्छुक बोलीदाताओं को पहले ही सेवाप्रदाता https://www.iiflonehome.com के पास अपने विवरण पंजीकरण करवाना आवश्यक है और लॉगइन अकाउंट, लॉगइन आईडी और पासवर्ड बनाना होगा। इच्छुक बोलीदाताओं को ऊपर वर्णित शाखा कार्यालय में भुगतान विवरण के तहत ईएमडी, केवाईसी और पैन कार्ड की प्रति सहित अपना "निविदा प्रपत्र" जमा करवाना / भेजना होगा।
2. बोलीदाता कॉलम "बोली बढ़ौतरी राशि" के तहत वर्णित राशि के गुणज में अपने प्रस्ताव सुधारेंगे। यदि बोली नीलामी बंद होने के समय के अन्तिम 5 मिनट में रखी जाती है, बंद होने का समय स्वतः ही 5 मिनट के लिये बढ़ा दिया जाएगा।
3. सफल बोलीदाता को बोली राशि का 25% (ईएमडी समायोजित करने के बाद) एओ द्वारा बोली मूल्य की स्वीकृति के 24 घंटे के भीतर और बोली राशि का शेष 75% सिक्योर्ड क्रेडिटर द्वारा बिक्री की पुष्टि की तारीख से 15 दिनों के भीतर जमा करना चाहिए। सभी जमा और भुगतान भुगतान के निर्धारित तरीके में होंगे।
4. खरीदार को उपकर, लागू स्टांप ड्यूटी, शुल्क और कोई अन्य वैधानिक बकाया या अन्य देय जैसे नगरपालिका कर, बिजली शुल्क, भूमि और अन्य सभी आकस्मिक लागत, संपत्ति से संबंधित सभी करों और लागत दरों सहित चार्जेज वहन करने होंगे।
5. खरीददार को बिक्री राशि के लेन-देन / भुगतान करने के लिए टीडीएस अप्लीकेशन भुगतान करना होगा और आईआईएफएल एचएफल के पास टीडीएस प्रमाण-पत्र जमा करवाना होगा।
6. **बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे ई-नीलामी बिक्री कार्यवाही में भाग लेने के लिये अपनी बोलियां जमा करवाने से पहले नीलामी बिक्री और नीलामी आवेदन पत्र के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट https://www.iiflonehome.com और https://www.iifl.com/home-loans/properties-for-auction को पढ़ें।**
7. **विवरण, ई-नीलामी पर मदद प्रक्रिया और ऑनलाइन ट्रेनिंग हेतु संभाव्य बोलीदाता सेवाप्रदाता से सम्पर्क कर सकते हैं ई-मेल आईडी :- care@iiflonehome.com, सपोर्ट हैल्पलाइन नम्बर : @1800 2672 499**
8. **सम्पत्ति विवरण, सम्पत्ति के निरीक्षण और ऑनलाइन बोली इत्यादि से सम्बन्धित किसी पूछताछ के लिये आईआईएफएल एचएफएल टोल फ्री नं. 1800 2672 499 पर 09:30 बजे से 18:00 बजे के बीच सोमवार से शुक्रवार तक कॉल करें अथवा care@iiflonehome.com पर ई-मेल लिखें।**
9. उपरोक्त कर्जदारों को एतद् द्वारा 7 दिनों के भीतर भौतिक कब्जा लेने के समय प्रत्याभूत परिसम्पत्ति में रखे गये घरेलू सामानों को एकत्र करने के लिए नोटिस दिया जाता है, अन्यथा आईआईएफएल -एचएफएल परिस्थितियों के तहत संपत्ति के किसी भी नुकसान के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।
10. इसके अलावा कर्जदारों को एतद् द्वारा नोटिस दिया जाता है कि यदि वे उपरोक्त वस्तुओं को एकत्र करने में विफल रहते हैं तो उन्हें कानून के अनुसार बेचा जाएगा।
11. सफल बोलीदाता / नीलामी खरीदकर्ता द्वारा किसी भी स्तर पर उपरोक्त निर्धारित समय के भीतर भुगतान में चूक के मामले में, बिक्री रद्द कर दी जाएगी और पहले से भुगतान की गई राशि (ईएमडी सहित) को जब्त कर लिया जाएगा और संपत्ति को फिर से बिक्री के लिए रखा जाएगा।
12. एओ बिना कोई कारण बताए निविदा/नीलामी को स्थगित करने / रद्द करने अथवा नियम एवं शर्तों को बदलने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं। निविदा/नीलामी में किसी भी विवाद की स्थिति में, आईआईएफएल-एचएफएल के एओ का निर्णय अंतिम होगा।

सरफेसी अधिनियम, 2002 के नियम 9 उप नियम (1) के तहत 15 दिन की बिक्री सूचना

कर्जदारों को एतद् द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि वह निविदा/नीलामी की तारीख से पहले अद्यतन ब्याज और सहायक व्यय के साथ ऊपर वर्णित राशि का भुगतान कर दें, जिसमें विफल रहने पर संपत्ति की नीलामी/बिक्री कर दी जाएगी और यदि कोई बकाया देय राशि है तो ब्याज और लागत के साथ वसूल की जाएगी

स्थान : हिसार, दिनांक: 03 मार्च 2025 — हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी, आईआईएफएल होम फाइनेंस लिमिटेड

जनता टीवी के सौजन्य से भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर में महिला कवि सम्मेलन आयोजित

खानपुर में सजा सम्मेलन, कविताओं के सागर में लगाई डुबकी

- चार कवयित्रियों और दो कवियों के अनूठे कवि सम्मेलन में किसी ने हंसाया तो किसी ने नम कर दी आंखें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कवियों का ऐसा संगम जिसमें हास्य भी था, सुरीली आवाज में वीर रस भी था। तीन घंटों तक चला महिला कवि सम्मेलन अपने आप में अनूठा प्रयास था, जिसे साकार किया जनता टीवी ने। शनिवार शाम को खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में आयोजित किए गए इस कवि सम्मेलन में राष्ट्रीय स्तर के कवियों ने अपनी प्रस्तुति दी। चार कवयित्रियों और दो कवियों की जुगलबंदी ऐसी हुई की दर्शक सब चिंताओं को भूलकर आनंदित हो उठे। कवियों ने कार्यक्रम में ऐसा समा बांधा कि पता ही नहीं चला कब में तीन घंटे भी बीत गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की वीसी प्रो. सुदेश ने की, वहीं मुख्यातिथि के तौर पर एचपीएससी की सदस्य डॉ. ममता यादव रहीं। विशिष्ठ अतिथि के तौर पर विवि की डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. श्वेता, जयसिंह ठेकेदार, संदीप मलिक, साहित्यकार डॉ. कमलेश मलिक, नगर परिषद गोहाना की चेयरपर्सन रजनी विरमानी, सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी कुलदीप दहिया मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके की गई। इसके उपरांत अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महिला कवि सम्मेलन में गाजियाबाद से अंजु जैन, आगरा से रुचि चतुर्वेदी, नागपुर से श्रद्धा शौर्य, अहमदाबाद से आयुषी राखेचा के अलावा नीर गोरखपुरी और सुदीप भोला ने अपनी प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में मंच संचालन का जिम्मा भी सुदीप भोला ने संभाला। कवियों की प्रस्तुतियों की शुरूआत में रुचि चतुर्वेदी ने मां शारदे को नमन किया, वहीं साहित्यकार डॉ. कमलेश मलिक ने अपनी पुस्तक हस्ताक्षर हैं तुम्हारे की कुछ पंक्तियां सुनाते हुए उपस्थित जनसमूह को भाव विभोर कर दिया। इसके उपरांत देर रात तक चले सम्मेलन में अलग-अलग कवियों ने अपनी रचनाओं को प्रस्तुत किया।

सोनीपत। कवि सम्मेलन के दौरान मंचासीन कवि सुदीप भोला, नीर गोरखपुरी, रुचि चतुर्वेदी, आयुषी राखेचा व श्रद्धा शौर्या।

मेले थोना बाबू ने थाना थाया

नागपुर से पहुंचीं श्रद्धा शौर्य ने धर्म बचा तो देश बचेगा कविता सुनाते हुए वीर रस से कवि सम्मेलन का आगाज किया। इनके उपरांत नीर गोरखपूरी ने हास्य और व्यंग्य के अनूठे संगम के बीच श्रोताओं पर हंसी के गुब्बारे छोड़े। नीर गोरखपुरी ने मेले थोना बाबू ने थाना थाया कविता सुनाते हुए व्यंग्य के साथ सामाजिक संदेश भी छोड़ा। इनके उपरांत अहमदाबाद से आई आयुषी राखेचा और रुचि चतुर्वेदी ने अपनी कविताओं के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। रुचि चतुर्वेदी ने बांके बिहारी को मध्य में रखती हुए अपनी कविता का पाठ किया। वहीं गला खराब होने के बावजूद अंजू जैन ने मंच से ऐसी प्रस्तुति दी कि तालियां की गूंज काफी देर तक रही। अंजू जैन ने मैं आधी आबादी हूं, जंजीर नहीं आजादी हूं, कविता के जरिये महिलाओं को सुदृढ़ रहने के लिये प्रेरित किया।

सोनीपत। महिला कवि सम्मेलन के दौरान मंच से प्रस्तुति देती अंजु जैन।

कार्यक्रम के दौरान कवियों के साथ वीसी प्रो. सुदेश, डॉ. कमलेश मलिक, जयसिंह ठेकेदार, संदीप मलिक, जनता टीवी के जोनल हैड मनोज दहिया।

कवि सम्मेलन के दौरान मौजूदा श्रोतागण

फूहड़ता पर किया कटाक्ष

विभिन्न कवियों के बीच सुदीप भोला ने शानदार मंच संचालन का नजारा पेश करते हुए हास्य रस से परिपूर्ण चुटकले भी सुनाए। वहीं सम्मेलन में सबसे अंत में सुदीप भोला ने अपनी प्रस्तुति दी। सुदीप भोला ने हंसी मजाक के नाम पर फैल रही फूहड़ता पर कटाक्ष किया। सुदीप भोला ने कहा कि आज का दौर इंडिया गॉट लेटेंट की ओर बढ़ रहा है, लेकिन हमें अपनी संस्कृति को भूलना नहीं चाहिये। उन्होंने लड़कियों की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि पांडवों को अगर एक भी बेटी होती तो द्रोपदी का कहां चीर हरण होता। इसके अलावा विभिन्न राजनीतिक दलों पर कटाक्ष करने वाली कविताएं गाकर सुनाई। जिस पर श्रोताओं ने जमकर तालियां बजाई। इसके अलावा सुदीप भोला ने वर्दियां.. वर्दियां.., वर्दियां ये वर्दियां कविता सुनाते हुए देश के वीर सपूतों को नमन किया।

ये रहे सहयोगी

एलपीएस बोसार्ड द्वारा प्रायोजित कवि सम्मेलन में भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय का सहयोग रहा। वहीं बीपी जैन स्किल सेंटर, गलैक्सी प्रोपर्टीज दिलबाग एंड सन बिल्डर्ज, पीएनबी किचन मेट, यूपीएस लक्ष्मी और राष्ट्रीय हिंदी दैनिक हरिभूमि को-स्पॉंसर की भूमिका में रहे।

वीडियो संदेश भेजे: महिला कवि सम्मेलन की शुरूआत में कुछ वीडियो संदेश भी प्रसारित किए गए। जिसमें महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी, बॉलीवुड अभिनेत्री मेघना मलिक, वरिष्ठ पत्रकार मिमांसा मलिक के वीडियो संदेश थे। जनता टीवी को महिला कवि सम्मेलन के लिये बधाई दी।

खबर संक्षेप

युवक की रेलगाड़ी की चपेट में आने से मौत

जींद। दिल्ली-बठिंडा रेलमार्ग पर नहर पुल के पास शनिवार शाम को एक युवक ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर जीआरपी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल पहुंचाया। मृतक की पहचान नगूरां हाल आबाद बैंड मार्केट निवासी 26 वर्षीय जितेंद्र के तौर पर हुई। पुलिस ने नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया। प्रभारी नरेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है।

विपरीत बस चलाने से मना किया तो वर्दी फाड़ी

रेवाड़ी। बस स्टैंड के पास विपरीत दिशा में बस चला रहे एक चालक को दूसरी दिशा की ओर जाने के लिए कहा, तो चालक सहित तीन लोगों ने पुलिसकर्मी की वर्दी फाड़ दी। उसके साथ गाली-गलौज व मारपीट करना शुरू कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने बस चालक सहित तीन लोगों को मौके पर ही गिरफ्तार करते हुए उनके खिलाफ केस दर्ज कर लिया। रात को पीसीआर पर हेड कांस्टेबल अनिल तैनात था। बस स्टैंड के पास सड़क निर्माण के चलते रोड वन-वे किया हुआ है।

एफसीआई को चावल की डिलीवरी करने में फतेहाबाद प्रदेश में रहा प्रथम

अब तक 203 राइस शेलरों ने एफसीआई को 84% की चावल की डिलीवरी

- राइस शेलर एफसीआई को कुल 5 लाख 2 हजार 919 एमटी चावल देना
- हैफेड के अधीन आने वाले 68 और हरियाणा वेयर हाऊस के अधीन 91 राइस शेलरों ने भी 85 प्रतिशत चावल एफसीआई को डिलीवर कर दिया

सुरेन्द्र असीजा ▶▶| फतेहाबाद

जिले में धान की चारों खरीद एजेंसियों ने राइस शैलरों में मिलिंग किए गए चावल की डिलीवरी (सीएमआर) भारतीय खाद्य निगम को देने में फतेहाबाद प्रदेशभर में प्रथम स्थान पर है। प्रदेश में अब तक 63.68 फीसदी चावल की डिलीवरी एफसीआई को मिल चुकी है जबकि फतेहाबाद जिले में यह आंकड़ा 84.20 प्रतिशत तक पहुंच गया है। अकेले खाद्य आपूर्ति विभाग के सीएमआर की बात करें तो यह आंकड़ा 89.49 प्रतिशत को छू गया है। प्रदेश सरकार की तीनों खरीद एजेंसियों ने फतेहाबाद जिले में कुल 7 लाख 43 हजार 194 एमटी धान की 203 राइस शैलरों में मिलिंग की थी, जिसकी एवज में राइस शैलरों ने विभिन्न खरीद एजेंसियों की ओर से एफसीआई को 4 लाख 97 हजार 940 एमटी चावल की डिलीवरी देनी है। इसके अलावा 1 फीसदी फोर्टिफाइल चावल जोकि 4979 एमटी बनता है, की भी अदायगी करती है। यानि कि राइस शैलर एफसीआई को कुल 5 लाख 2 हजार 919 एमटी चावल देना है। 2 मार्च तक राइस शैलरों ने 4 लाख 23 हजार 479 एमटी चावल की डिलीवरी दे दी है जो कुल चावल का 84.20 फीसदी बनता है। यह प्रदेश में सबसे ज्यादा है। इनमें भी खाद्य एवं पूर्ति विभाग 89.49 फीसदी डिलीवरी देकर अव्वल रहा है। जिले में इस बार खाद्य एवं पूर्ति विभाग ने 1 लाख 77 हजार 521 एमटी धान की खरीद करके 44 राइस शैलरों में मिलिंग की थी। इसकी एवज में राइस शैलरों ने एफसीआई को 1 लाख 20 हजार 120 एमटी चावल सीएमआर के रूप में देना है। 2 मार्च तक राइस शैलर खाद्य एवं पूर्ति विभाग का 1 लाख 3 हजार 897 एमटी चावल डिलीवर कर चुके हैं जोकि कुल सीएमआर का 86.49 प्रतिशत बनता है।

फतेहाबाद। अनाज मण्डी में लगी धान की ढेरी। (फाइल फोटो)

2 मार्च तक जिले में 84.20 फीसदी चावलों की डिलीवरी हो गई

प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार इस बार जिले की तीन खरीद एजेंसियों ने 7 लाख 43 हजार 194 एमटी धान की 203 राइस शैलरों में मिलिंग की थी। नियमानुसार राइस शैलरों को धान का 67 फीसदी चावल एफसीआई को सीएमआर के रूप में देना होता है। जिसमें 28 फरवरी तक 90 फीसदी चावल की अदायगी की जानी थी। 2 मार्च तक जिले में 84.20 फीसदी चावलों की डिलीवरी हो गई है, जिसमें फूड एंड सप्लाई का हिस्सा 86.49 फीसदी है। तीनों एजेंसियों की सीएमआर की डिलीवरी प्रदेश में प्रथम स्थान पर रही है। -विनीत जैन, जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक, फतेहाबाद

शेलरों ने धान की एवज में 67 फीसदी चावल की देनी होती है सीएमआर

ऐसे ही हैफेड के अधीन आने वाले 68 और हरियाणा वेयर हाऊस के अधीन आने वाले 91 राइस शैलरों ने भी करीब 85 प्रतिशत चावल एफसीआई को डिलीवर कर दिया है। नियमानुसार इन शेलरों ने धान की एवज में 67 फीसदी चावल की सीएमआर (कस्टम मिलिंग राइस) देनी होती है। तीनों एजेंसियों के 203 राइस शैलरों ने मिलिंग किए गए धान की एवज में अब तक 4 लाख 23 हजार 479 एमटी चावल की डिलीवरी कर दी है। फतेहाबाद जिले में 203 राइस शैलरों ने एफसीआई को 84.20 प्रतिशत चावल की सीएमआर की डिलीवरी चाहे कर दी हो और प्रदेशभर में जिला प्रथम भी रहा है लेकिन इसके बावजूद भी सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य को अभी पूरा नहीं किया जा सका। सरकार ने धान खरीदते समय नई पॉलिसी जारी की थी, जिसके अनुसार 28 फरवरी तक सभी राइस शैलरों को 90 प्रतिशत चावलों की सीएमआर एफसीआई को देनी थी लेकिन यह आंकड़ा प्रदेश में 63.68 प्रतिशत तक ही पहुंच पाया है जबकि फतेहाबाद में 84.20 प्रतिशत चावल की डिलीवरी हो चुकी है जो प्रदेश में सबसे ज्यादा है। बात करें अन्य जिलों की तो इनमें पानीपत सबसे नीचले पायदान पर आता है। यहां पर मात्र 12.66 प्रतिशत चावल की डिलीवरी की एफसीआई को हो पाई है।

जिलेवार सीएमआर की डिलीवरी

जिला	डिलीवरी%
अम्बाला	74.18
भिवानी	00
चरखी दादरी	00
फरीदाबाद	84.20
फतेहाबाद	00
गुरुग्राम	00
हिसार	47.80
झज्जर	00
जींद	54.49
कैथल	51.48
करनाल	51.32
कुरुक्षेत्र	58.92
महेन्द्रगढ़	00
मेवात	00
पलवल	61.27
पंचकूला	60.74
पानीपत	12.66
रेवाड़ी	00
रोहतक	49.10
सिरसा	72.08
सोनीपत	13.44
यमुनानगर	75.66

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 5 मार्च को जेसीडी विद्यापीठ के दीक्षांत समारोह में करेंगे शिरकत

सिरसा। जननायक चौधरी देवीलाल विद्यापीठ में आगामी 5 मार्च को आयोजित आठवां वार्षिक दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शिरकत करेंगे। इस समारोह में सत्र 2022 से 2024 तक के स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल एवं उपाधियां प्रदान की जाएंगी। इस अवसर पर 400 से अधिक विद्यार्थी डिग्री प्राप्त कर अपने शैक्षणिक जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करेंगे। रविवार को विद्यापीठ के महानिदेशक डा. जयप्रकाश ने बताया कि दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है, जिन्होंने अपनी तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। विद्यार्थियों को डिग्री वितरण के साथ-साथ मुख्य अतिथि द्वारा प्रेरणादायक भाषण भी दिया जाएगा। इस अवसर पर विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जाएगा और उन्हें भविष्य में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

महेंद्रगढ़: खाटूश्याम मेले के लिए स्पेशल ट्रेनों का संचालन 12 मार्च तक

महेंद्रगढ़। रेलवे बोर्ड की ओर से फाल्गुन माह में खाटू श्याम में लगने वाले मेले के लिए श्यामभक्तों की सुविधा दी है। रेलवे से ओर से रेवाड़ी-लौहारु मार्ग पर दो मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। यह ट्रेन एक मार्च से शुरू होकर 12 मार्च तक चलेगी। दैनिक यात्री महासंघ के अध्यक्ष रामनिवास पाटोदा ने बताया कि मेला स्पेशल ट्रेन रात 8.40 बजे दिल्ली से रवाना होकर, 11.30 बजे रेवाड़ी, 12.10 बजे महेंद्रगढ़, 1.35 बजे लौहारु, 3.10 बजे सीकर से चलकर सुबह 4 बजे रींगस पहुंचेगी तथा 5.30 बजे रींगस से रवाना होकर, 7.25 लौहारु, 8 बजे महेंद्रगढ़, 9.50 बजे रेवाड़ी से चलकर 11.12 बजे दिल्ली पहुंचेगी। रामनिवास पाटोदा का कहना है कि रेलवे विभाग को डहीना, कनीना, सतनाली जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों पर इस ट्रेन का ठहराव करना चाहिए। इससे गांवों के यात्रियों को भी आसानी से बाबा श्याम के दर्शन का लाभ मिल सकें।

रतिया: संदिग्ध हालत में 35 वर्षीय महिला ने की आत्महत्या

रतिया। गांव नंगल ढाणी में पिलछिया रोड पर झुग्गी झोपड़ियां में रहे प्रवासी एक महिला ने झोपड़ी में ही रविवार देर शाम को संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मामले की सूचना मिलने पर रतिया सदर थानाध्यक्ष राजवीर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में मोर्चरी हाउस में रखवाया गया सोमवार सुबह मृतक महिला के भाई व अन्य महिला के परिजनों के बयानों के आधार पर ही पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी।

डबवाली: हेरोइन व 70 हजार की ड्रग मनी के साथ गिरफ्तार

डबवाली। पुलिस ने खुइया मलकाना टोल प्लाजा क्षेत्र से कार सवार दो लोगों को 6.7 ग्राम हेरोइन व 70 हजार रुपये की ड्रग मनी सहित गिरफ्तार किया है। रविवार को सीआईए डबवाली प्रभारी राजपाल ने बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान खुइया मलकाना टोल प्लाजा क्षेत्र में मौजूद थी और वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक कार की तलाशी ली गई तो उसमें सवार लोगों के कब्जे से 6.7 ग्राम हेरोइन व 70 हजार रुपये की ड्रग मनी बरामद हुई।

खबर संक्षेप

इंडिगो पर इनपुट टैक्स क्रेडिट से संबंधित जुर्माना

नई दिल्ली। इंडिगो ने कहा कि उसपर गुजरात में इनपुट टैक्स क्रेडिट के संबंध में 1.30 करोड़ रुपये का जुर्माना लगा है और वह आवश्यक कानूनी उपाय पर विचार कर रही है। अहमदाबाद के राज्य के सहायक कर आयुक्त ने एयरलाइन पर 1,30,40,966 रुपये का जुर्माना लगाया है।

भारत में कम अवधि के वीडियो की मांग बढ़ी

नई दिल्ली। घरेलू सोशल मीडिया मंच शेयरचैट और मोज के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) मनोहर सिंह चरण ने कहा कि भारत में कम अवधि के वीडियो को छोटे शहरों और कस्बों से बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस खंड में आकर्षक स्थानीय सामग्री की बहुत अधिक मांग है। भारत में कम अवधि के वीडियो का बाजार तेजी से बढ़ रहा है, हालांकि यह अभी शुरुआती दौर में है।

चरण ने कहा कि क्षेत्रीय प्रासंगिकता वाली सेवाएं लगातार कारोबार को गति दे रही हैं और ब्रांड को दर्शकों से जुड़ने के नए अवसर प्रदान कर रही हैं।

चिकित्सा

बिना बताए
शराब, अफीम, सिगरेट छुड़ाएं
दमा, खांसी, नजला, मोटापा होना, कमजोरी, पेट के रोगों व मोटापे का देसी ईलाज।
हमराज़ क्लीनिक
11am-5pm Ph: 9811301362
1936, फव्वारा, चाँदनी चौक, दिल्ली - 110006
F-23/101, अवन्तिका चौक, सैक्टर - 3, रोहिणी, दिल्ली - 85
Ph: 9811301362, 9999301362
10am - 9pm

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

टीसीएस को हुआ सबसे बड़ा नुकसान, अब नहीं रही देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कंपनी के शेयरों में लगातार गिरावट और वैल्यूएशन गिरा है, टीसीएस को पीछे छोड़कर एचडीएफसी बैंक दूसरे पायदान पर आ गया

टीसीएस अब भले ही देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी हो, लेकिन देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी नहीं रही। इसका अहम कारण कंपनी के शेयरों में लगातार गिरावट और वैल्यूएशन में कमी आना है। टीसीएस को पीछे छोड़कर एचडीएफसी बैंक दूसरे पायदान पर आ गया है। टीसीएस के शेयर मे मौजूदा साल यानी दो महीनों में 15 फीसदी की गिरावट देखने को मिल चुकी है।

अब जबकि 6 महीनों में कंपनी के शेयर 23 फीसदी से ज्यादा गिर चुके हैं। जिसकी वजह से कंपनी के मार्केट कैप को भी मोटा नुकसान हुआ है। पिछले हफ्ते भी टीसीएस को सबसे बड़ा नुकसान उठाना पड़ा। कंपनी के शेयर में 6.68 फीसदी का नुकसान देखने को मिला है। जिसकी वजह से कंपनी के मार्केट कैप में बड़ी गिरावट देखने को मिली है।

रिकॉर्ड लेवल से नीचे गिरा

टीसीएस का शेयर 4,592.25 रुपए के साथ 52 हफ्तों के हाई पर पहुंच गया था। जो मौजूदा समय में 3,478 रुपए पर दिखाई दे रहा है। तब से अब तक कंपनी के शेयरों में 1,114.25 रुपए की गिरावट देखने को मिल चुका है। इसका मतलब है कि कंपनी के शेयर में रिकॉर्ड 24 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल चुकी है। वहीं बीते एक साल में कंपनी के शेयर करीब 15 फीसदी नीचे आ चुके हैं। जिसकी वजह से कंपनी को बड़ा नुकसान हो रहा है।

एक हफ्ते में कंपनी के शेयर 249.10 रुपए गिर चुके

एनएसई के आंकड़ों के अनुसार एक हफ्ते में कंपनी के शेयर में 249.10 रुपए की गिरावट आ चुकी है। जबकि शुक्रवार को कंपनी का शेयर 134.55 रुपए यानी 3.72 फीसदी की कटौती देखने को मिली है। मौजूदा समय में कंपनी के शेयर 3,478 रुपए पर आ चुके हैं।

नहीं रही देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी

शेयरों में लगातार गिरावट की वजह से कंपनी की वैल्यूएशन में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। खास बात तो ये है कि कंपनी की वैल्यूएशन अब इतना कम हो गया है कि वो देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी के पायदान से नीचे खिसकर तीसरे पायदान पर आ गई है। आंकड़ों को देखें तो कंपनी को पिछले एक लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ और कंपनी का मार्केट कैप 13 लाख करोड़ रुपए से नीचे आ गया। जिसकी वजह से कंपनी देश की सबसे बड़ी कंपनी के पायदान पर आ गई। जबकि एचडीएफसी बैंक दूसरे पायदान पर पहुंच गया। बैंक का मार्केट कैप अभी 13 लाख करोड़ रुपए के ऊपर बना हुआ है।

नीति आयोग के सदस्य विरमानी ने कहा- कामगार व जनसंख्या का अनुपात बढ़ा

रोजगार बढ़ रहा पर महंगाई के हिसाब से नियमित कर्मचारियों का वेतन नहीं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नौकरियों के मामले में सात साल से पारिश्रमिक महंगाई के हिसाब से नहीं बढ़ा

नीति आयोग के सदस्य डॉ. अरविंद विरमानी ने कहा है कि देश में रोजगार तो बढ़ रहा है, लेकिन नियमित नौकरियों के मामले में सात साल में वास्तविक पारिश्रमिक महंगाई के हिसाब से नहीं बढ़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि नौकरी और कौशल एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, आप में हुनर है तो उससे नौकरी मिलना आसान हो जाता है।

विरमानी के अनुसार, वैश्विक जनसंख्या के मामले में हमारे पास अवसर है, उसका लाभ उठाने की जरूरत है और इसके लिए शिक्षण और प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''पीएलएफएस (आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण) आंकड़ों के अनुसार, पिछले सात साल में कामगार-जनसंख्या अनुपात साफ तौर पर बढ़ रहा है।

पीएलएफएस ने जारी की रिपोर्ट

इसका मतलब है कि नौकरियों की संख्या जनसंख्या वृद्धि के मुकाबले अधिक बढ़ रही हैं। इसमें उतार-चढ़ाव भी है लेकिन जो रुख है, वह बताता है कि नौकरियां बढ़ रही है। अतः यह कहना गलत है कि नौकरियां नहीं बढ़ रही हैं।'' उल्लेखनीय है कि पीएलएफएस की सालाना रिपोर्ट 2023-24 (जुलाई-जून) के अनुसार, कामगार-जनसंख्या अनुपात सभी उम्र के व्यक्तियों के मामले में 2023-24 में बढ़कर 43.7 प्रतिशत हो गया, जो 2017-18 में 34.7 प्रतिशत था।

महंगाई के हिसाब से पारिश्रमिक नहीं बढ़ा

जाने-माने अर्थशास्त्री विरमानी ने कहा, ''लेकिन एक बड़ा मुद्दा नियमित वेतन वाली नौकरियां के मामले में है। इस श्रेणी में सात साल में वास्तविक पारिश्रमिक मुद्रास्फीति के हिसाब से नहीं बढ़ा है।'' उन्होंने कहा, ''जहां तक मेरा आकलन है, महंगाई के हिसाब से पारिश्रमिक नहीं बढ़ने का मुख्य कारण है कौशल की कमी है।

शिक्षा के हर स्तर पर कौशल विकास जरूरी

विरमानी ने कहा, ''हमने जो विश्लेषण किया है, उसके अनुसार शिक्षा के हर स्तर पर कौशल विकास की जरूरत है। कई बच्चे बीच में पढ़ाई छोड़ देते हैं, उनके लिए उसी हिसाब से कौशल विकसित करने की जरूरत है। ऐसा नहीं है कि सभी को एआई (कृत्रिम मेधा) या इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर बनने के लिए ही कौशल की जरूरत है। हमें उन बच्चों के बारे में भी सोचना है जो बीच में पढ़ाई छोड़ते हैं।

कैजुअल वर्कर का वेतन बढ़ा

विरमानी ने कहा, ''अगर पीएलएफएस में पारिश्रमिक के आंकड़ों को देखें, जो कैजुअल वर्कर (ठेके पर काम करने वाले) हैं, उनका वास्तविक वेतन सात साल के दौरान बढ़ा है और इस दौरान उनकी स्थिति सुधरी है। आंकड़े इसकी पुष्टि करते हैं।''

कौशल के साथ उत्पादकता बढ़ती है

नीति आयोग के सदस्य के अनुसार, यह इसलिए महत्वपूर्ण है कि कौशल जब बढ़ता है, उत्पादकता बढ़ती है, और वास्तविक वेतन बढ़ता है। यह भारत में भी होता है और दुनिया में भी होता है। हम यह सोचते हैं कि हम जो काम कर रहे हैं, वहीं करते रहें और वेतन बढ़ेगा, यह ठीक नहीं है। अतः स्किलिंग (कौशल विकास) बहुत जरूरी है। और जो काम कर रहे हैं केवल उनके लिए ही नहीं बल्कि जो नये लोग आ रहे हैं, उनमें भी कौशल विकास की जरूरत है।

हिंदुस्तान जिंक पांच साल में उत्पादन दोगुना करेगा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में अपने धातु उत्पादन को दोगुना करके सालाना 20 लाख टन करना है। कंपनी की चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल हेब्बार ने यह बात कही।

- चेयरपर्सन ने कहा, उत्पादन सालाना 20 लाख टन करना है

हेब्बार ने शेयरधारकों को लिखे पत्र में कहा, 'भारत की इस्पात क्षमता में विस्तार और बुनियादी ढांचे पर अत्यधिक ध्यान के साथ, हिंदुस्तान जिंक 2030 तक अपने उत्पादन को दोगुना करके 20 लाख टन सालाना करने की राह पर है। हमारा जिंक, इस्पात गैल्वनाइजेशन की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।' कंपनी की जिंक उत्पादन क्षमता इस समय सालाना 11 लाख टन है। हेब्बार ने कहा कि कंपनी महत्वपूर्ण खनिजों में भी विस्तार कर रही है और उसे देश में कई ब्लॉकों के लिए पसंदीदा बोलीदाता घोषित किया गया है। हिंदुस्तान जिंक की रोस्टर और उर्वरक संयंत्र परियोजनाएं भी आगे बढ़ रही हैं। चेयरपर्सन ने कहा, ''चाहे हमारे 'टेली-रिमोट' संचालन हों, जो हमें सतह से भूमिगत खदानों को संचालित करने की क्षमता देते हैं या धातु उत्पादन में उन्नत रोबोटिक्स का इस्तेमाल हो, हम अपने संचालन में मानवीय हस्तक्षेप को कम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

उत्पादन चार फीसदी सालाना की दर से बढ़ा

कंपनी के कृत्रिम मेधा (एआई) को तेजी से अपनाने से अयस्क निकालने, प्रसंस्करण और धातु उत्पादन में वृद्धि हुई है और इसकी उत्पादकता लगातार बढ़ रही है। पिछले पांच वर्षों में, कंपनी का धातु उत्पादन चार प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ा है, जबकि चांदी का उत्पादन पांच प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है।

'एआई बनेगा भारत का ग्रोथ इंजन, जीडीपी को मिलेगी रफ्तार': आकाश अंबानी

मुंबई। रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड (**RJIL**) के चेयरमैन आकाश अंबानी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (**AI**) को इस पीढ़ी का सबसे बड़ा बदलाव बताया है। आकाश अंबानी ने यह बात जियो वर्ल्ड सेंटर में 'मुंबई टेक वीक 2025' के दौरान कही। उन्होंने कहा कि **AI** भारत की आर्थिक वृद्धि का प्रमुख ग्रोथ इंजन साबित होगा, जिससे देश आने वाले कई वर्षों में 10 प्रतिशत या दहाई अंक की वृद्धि दर हासिल कर सकेगा। ड्रीम11 के सीईओ हर्ष जैन के साथ एक फायरसाइड चैट के दौरान आकाश अंबानी ने भविष्य के लिए एआई को महत्वपूर्ण बताया।

एनसीएल की 24 हजार करोड़ की पुनर्वास योजना शुरू होगी

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

कोल इंडिया की इकाई एनसीएल जल्द ही मध्य प्रदेश के सिंगरौली में मोरवा कस्बे को स्थानांतरित करने के लिए अपनी 24,000 करोड़ रुपये की पुनर्वास और पुनर्स्थापन (आर एंड आर) परियोजना शुरू करेगी।

'सिंगरौली पुनरुद्धार' परियोजना के तहत इस पुनर्वास में 927 हेक्टेयर में फैले कस्बे से करीब 50,000 लोगों और 22,500 घरों को स्थानांतरित किया जाएगा। सिंगरौली में करीब 60

करोड़ टन खनन योग्य कोयला है। नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) बी साईराम ने कहा, "यह एक बहुत बड़ी परियोजना है जिसकी अनुमानित लागत 24,000 करोड़ रुपये है।

भूमि अधिग्रहण मुद्दे सुलझाने पर काम

फिलहाल एनसीएल भूमि अधिग्रहण से जुड़े मुद्दों को सुलझाने पर काम कर रही है, जिस पर करीब 4,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। आरएंडआर खर्च की भरपाई के लिए एनसीएल मई से कोयले की बिक्री पर 300 रुपये प्रति टन का अतिरिक्त शुल्क लगाएगी। इससे वित्त वर्ष 2026-27 से इसके अनुमानित 14 करोड़ टन उत्पादन से सालाना करीब 4,200 करोड़ रुपये की आय होने की उम्मीद है।

विदेशी निवेशकों की गतिविधियां डालेगी असर

वैश्विक रुख से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह अमेरिका में शुल्क से संबंधित घटनाक्रमों, वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

विश्लेषकों ने कहा कि आने वाले दिनों में व्यापार शुल्क की चिंताओं तथा विदेशी कोषों की निकासी से निवेशकों की धारणा कमजोर रह सकती है। अकेले फरवरी में निफ्टी 1,383.7 अंक टूटा है। वहीं इस दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 4,302.47 अंक नीचे आया है।

पिछले साल 27 सितंबर को सेंसेक्स 85,978.25 के अपने शीर्ष स्तर पर पहुंचा था। तब से अबतक सेंसेक्स 12,780.15 अंक या 14.86 प्रतिशत नीचे आ चुका है। इसी तरह निफ्टी 27 सितंबर, 2024 के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर 26,277.35 अंक से 4,152.65 अंक या 15.80 प्रतिशत टूट चुका है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''निवेशकों की

निगाह शुल्क नीति और बेरोजगारी दावों सहित महत्वपूर्ण घटनाक्रमों पर रहेगी। निकट भविष्य में बाजार की स्थिति कमजोर रहने की उम्मीद है। हालांकि, अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनियों के नतीजों में सुधार तथा वैश्विक व्यापार मोर्चे पर अनिश्चितता कम होने के बाद स्थिति में धीरे-धीरे सुधार की उम्मीद है।''

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के प्रमुख-शोध, संपदा प्रबंधन प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, ''हमारा मानना है कि कमजोर वैश्विक रुख और घरेलू मोर्चे पर संकेतकों की कमी की वजह से बाजार कमजोरी के रुख के साथ कारोबार करेगा।''

जीडीपी सात तिमाहियों के निचले स्तर से उबर रही

यह क्रमिक आधार पर सात तिमाहियों के निचले स्तर से उबर रही है। हालांकि, दिसंबर तिमाही की वृद्धि दर इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की तुलना में कम रही है। आर्थिक वृद्धि दर का यह आंकड़ा ऐसे समय आया है जबकि अमेरिका का शुल्क युद्ध चुनौती बना हुआ है।

मारुति ने लांच कर दी 6 एयरबैग वाली ऑल्टो के-टेन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मारुति ऑल्टो इंडिया के सबसे पॉपुलर कारों में से एक रही है। कंपनी अब इसे ऑल्टो के10 नाम से सेल करती है। इसके पॉपुलर होने का एक कारण ये भी है कि ये इंडिया की सबसे सस्ती कारों में से एक है। अब कंपनी ने इसे 6 एयरबैग सेटअप के साथ अपडेट किया है। यानी अब आपको ये बजट कार ज्यादा सेफ्टी के साथ मिलने वाली है। 6 एयरबैग जुड़ने के बाद इस कार की कीमत भी बढ़ गई है। 6 एयरबैग सेटअप के साथ अब इस कार की कीमत 16,000 रुपए तक बढ़ा दी गई

है। अब इस कार की शुरुआती कीमत 4.23 लाख रुपए हो गई है। पहले यह कीमत 4.09 लाख रुपए थी। भारत में सरकार ने कारों में सेफ्टी के लिए नए रेग्युलेशन जारी किए हैं। इसलिए कंपनियां लगातार अपने मॉडल्स को 6 एयरबैग्स के साथ अपडेट कर रही हैं। मारुति ऑल्टो के10 के 74 प्रतिशत खरीदार पहली बार आए हैं यानी फर्स्ट टाइम बायर्स हैं। 2000 में बजट हैचबैक के भारत में आने के बाद से मारुति सुजुकी ने ऑल्टो की 46 लाख से ज्यादा यूनिट्स बेची हैं। कंपनी के चीफ मार्केटिंग एंड सेल्स एग्जीक्यूटिव, पार्थो बनर्जी ने भी कहा कि ऑल्टो के10 के 74 प्रतिशत खरीदार पहली बार कार खरीद रहे हैं। मारुति सुजुकी ने ऑल्टो के10 की सुरक्षा को एक नया स्तर दिया है। अब यह 6 एयरबैग्स के साथ स्टैंडर्ड रूप में उपलब्ध होगी। यह अपग्रेड इसे सेगमेंट की सबसे सुरक्षित कारों में से एक बनाता है।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेंगी।

वृष — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट होगा।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला — मन में आशा-निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेंगी।

मकर — क्रोध से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ — रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

शब्द पहेली - 5795

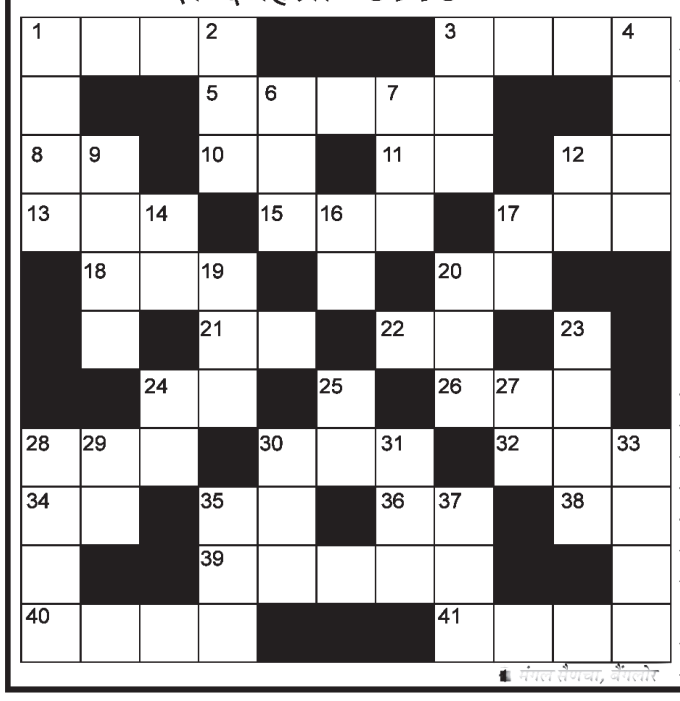

बाएँ से दाए-
1. पक्षियों का शोर-4
3. मुठभेड़, भिड़ंत-4
5. क्रोधित होवा-5
8. लाश, पार्थिव देह-2
10. नवीन-2
11. सरिता-2
12. संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13. दोजख, नर्क-3
15. नमकीन लवण-3
17. बेकार-3
18. आंचल-3
20. फायदा, लाभ-2
21. चिट्ठी, पत्र-2
22. जी, चित-2
24. संपूर्ण-2
26. कुचलना, दबाना-3
28. दाड़म, एक फल-3
30. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32. खिचड़ी, पुलाव-3
34. मां, आई-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. सौतन-2
38. लीन-2
39. चमकीला-5
40. नसीब, किस्मत-4
41. चुनौती-4

ऊपर से नीचे
1. दलाली-4
2. स्वदेश, जन्मभूमि-3
3. दौंडी पीटना-3
4. बेमिसाल-4
6. इसमें तलवार रखते हैं-3
7. मापदंड, आदर्श-3
9. इच्छित वस्तु-4
12. जीरक, कणिका-2
14. थोड़ा, जरा-2
16. आनंद-2
17. क्रोधित, रुष्ट-2
19. अदा-3
20. पति की बहन-3
23. मन को हरने वाला-4
24. निष्कर्ष-2
25. उम्मीद-2
27. वोट, अभिमत-2
28. धरोहर, थाती-4
29. रिश्ता-2
30. नकद राशि, रोकड़-3
31. संधिपत्र, मसविदा-3
33. रीति अनुसार-4
35. अदूढ, तर्कहीन-3
37. द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -5794 का हल

	स	ला	म	त		म	हा	व	र	
का	म		ही	र		म	सि		थ	ल
फी		शा	न		वं		ल	ब		क्ष्य
		य		म	हा	न		र		
	फ	र	मा	न		र	स	खा	न	
का	की		ल				न		र	ति
	र	नि	वा	स		ह	म	द	म	
		य		र	ज	क		स्त		
जा		म	जा		हां		श	क		का
न	शा		य	म		पा	प		सा	या
	म	हा	का	ल		ल	थ	प	थ	

विदर्भ तीसरी बार बना रणजी ट्रॉफी चैंपियन, खिताबी मुकाबला रहा ड्रॉ

पहली पारी में बढ़त के आधार पर विदर्भ ने जीता खिताब

दानिश मालेवार 226 रन बनाकर बने प्लेयर ऑफ द मैच

एजेंसी ▶▶ नागपुर

विदर्भ ने रविवार को अपने घरेलू मैदान पर खेले गए फाइनल के पांचवें और अंतिम दिन केरल को पहली पारी की बढ़त के आधार पर हराकर तीसरा रणजी ट्रॉफी खिताब जीत लिया। विदर्भ ने पहली पारी में 379 रन बनाए थे। केरल ने इसके जवाब में 342 रन बनाए। विदर्भ को पहली पारी के आधार पर 37 रन की बढ़त मिली। विदर्भ ने मैच के पांचवे दिन तक दूसरी पारी में 9 विकेट के नुकसान पर 375 रन बनाए और केरल को खेलने के लिए बुलाए बिना ही मैच ड्रॉ करने का ऐलान किया गया। विदर्भ ने तीसरी बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता है। इससे पहले 2017-18 और 2018-19 सत्र में लगातार दो खिताब जीते थे।

विदर्भ सर्वश्रेष्ठ टीम

अक्षय वाडकर की कप्तानी और मुख्य कोच उस्मान गनी की अगुआई वाली टीम ने पूरे रणजी ट्रॉफी सत्र में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। विदर्भ लीग चरण में सभी चार ग्रुप में सर्वश्रेष्ठ टीम रही, जिसने सात मैच में से छह जीत के साथ 40 अंक हासिल किए।

दानिश प्लेयर ऑफ द मैच

विदर्भ ने रविवार सुबह 249/4 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम ने 126 रन जोड़े और 5 विकेट गंवा दिए। दानिश मालेवार को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने विदर्भ के लिए पहली पारी में 153 और दूसरी में 73 रन बनाए। टीम के लिए दूसरी पारी में करुण नायर ने 135 रन बनाए। दर्शन नालकांडे ने नाबाद 51 रन की पारी खेली।

10 मैच में से 9 मैच जीते

विदर्भ ने इस सत्र में रणजी ट्रॉफी में खेले गए 10 मैच में से नौ में जीत हासिल की जो भारत की प्रमुख घरेलू प्रतियोगिता में टीम के प्रभुत्व को दर्शाता है।

जीत के हीरो

हर्ष दुबे : 69 विकेट, 476 रन

22 वर्षीय बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे ने रणजी ट्रॉफी के एक सत्र में 69 खिलाड़ियों को आउट करके सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया जो बिहार के आशुतोष अमन के 68 विकेट के पिछले रिकॉर्ड से बेहतर रहा। दुबे ने 10 मैच में पांच अर्द्धशतकों के साथ 476 रन भी बनाए।

यश राठौड़ : 5 शतक, 960 रन

बाएं हाथ के बल्लेबाज यश राठौड़ ने 10 मैचों में पांच शतकों और तीन अर्द्धशतकों की मदद से 53.33 के औसत से 960 रन बनाकर बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया।

करुण नायर : 5 शतक, 863 रन

नायर ने सिर्फ विजय हजारे ट्रॉफी में पांच शतकों के साथ ही टीम का नेतृत्व नहीं किया बल्कि रणजी ट्रॉफी में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी रहे, उन्होंने नौ मैच में 53.93 के औसत से चार शतकों और दो अर्द्धशतकों की मदद से 863 रन बनाए।

दानिश मालेवार : 783 रन

21 वर्षीय दानिश मालेवार दो शतकों और छह अर्द्धशतकों की मदद से 52.20 के औसत से 783 रन बनाकर पांचवें स्थान पर रहे, उन्होंने फाइनल में 153 और 73 रन बनाए।

अक्षय वाडकर 722 रन

कप्तान अक्षय वाडकर भी पीछे नहीं रहे, वह 10 मैच में 45.12 के औसत से दो शतक और इतने ही अर्धशतकों के साथ 722 रन बनाकर सातवें स्थान पर रहे।

खबर संक्षेप

रित्विक चिली ओपन युगल चैंपियन

नई दिल्ली। भारत के रित्विक चौधरी बोल्लिपल्ली ने कोलंबिया के निकोलस बारियेंतोस के साथ मिलकर शीर्ष वरीयता प्राप्त अर्जेंटीना के आंद्रेस मोल्तेनी और मैक्सिमो गोंजालेस को सीधे सेटों में हराकर सैंटियागो में चिली ओपन टेनिस टूर्नामेंट जीता। रित्विक और निकोलस की गैर वरीय जोड़ी ने गोंजालेस और मोल्तेनी को एक घंटा चले फाइनल मुकाबले में 6-3, 6-2 से हराया। उन्होंने मैच में 11 ऐस लगाए जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी एक ही लगा सके।

दिल्ली एफसी ने 10 मैच के बाद चखा जीत का स्वाद

माहिलपुर। दिल्ली एफसी ने रविवार को यहां आई-लीग में डेम्पो

स्पोर्ट्स क्लब को 2-1 से हराकर 10 मैचों में अपनी पहली जीत दर्ज की। मैच के सभी गोल पहले हाफ में हुए। दिल्ली की टीम के लिए समीर बिनॉन्ग (चौथे मिनट) और विक्टर कामहुका (20वें मिनट) ने गोल किए जबकि मार्कस जोसेफ (35वें मिनट) ने डेम्पो के लिए गोल किया। इस जीत के बावजूद दिल्ली तालिका में सबसे नीचे (17 मैचों में 13 अंक) है। दिल्ली एफसी ने बीते साल 19 दिसंबर को शिलांग लाजोंग एफसी के खिलाफ अपना पिछला मैच जीता था। इसके बाद टीम ने 10 मैच खेले और सिर्फ दो ड्रॉ करने में सफल रहा।

कोचिन क्वींस ओवरआल नौकायन लीग चैंपियन

हैदराबाद। कोचिन क्वींस ने पहली अस्मिता नौकायन लीग में ओवरआल चैंपियन का खिताब जीत लिया है। केरल की टीम ने छह स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीता। मेजबान हैदराबाद क्वींस चार स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीतकर दूसरे स्थान पर रही। अंडर 19 और अंडर 23 वर्ग में 20 स्पर्धाओं में आठ टीमें खिताब की दौड़ में थी। कोचिन क्वींस ने अंडर 23 वर्ग में पांच में से चार स्पर्धाएं जीती। वहीं हैदराबाद क्वींस ने अंडर 19 खिताब और पांच में से तीन स्पर्धाएं जीतीं। यह देश की पहली नौकायन लीग थी जिसमें टीमों के नाम शहरों के नाम पर थे।

सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया की चुनौती, न्यूजीलैंड साउथ अफ्रीका से खेलेगी

चक्रवर्ती की शानदार गेंदबाजी से भारत ने न्यूजीलैंड को 44 रन से दी मात

भाषा ▶▶ दुबई

केन विलियमसन ने 81 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली लेकिन वरुण चक्रवर्ती (42 रन पर पांच विकेट) की फिरकी के जादू से भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के मैच में न्यूजीलैंड को रविवार को यहां 44 रन से हराकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत और न्यूजीलैंड की टीमें पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी थी लेकिन भारत की इस जीत से सेमीफाइनल का कार्यक्रम तय हो गया। भारत के सामने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया जबकि न्यूजीलैंड के सामने बुधवार को दक्षिण अफ्रीका की चुनौती होगी। भारत ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर श्रेयस अय्यर (79) की अर्धशतकीय पारी की मदद से नौ विकेट पर 249 रन बनाने के बाद न्यूजीलैंड को 45.3 ओवर में 205 रन पर आउट कर दिया। न्यूजीलैंड के लिए विलियमसन ने 120 गेंद में 81 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली लेकिन दूसरे छोर से उन्हें तेजी से रन बनाने वाले बल्लेबाज का साथ नहीं मिला। चक्रवर्ती की फिरकी का न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। वह चैंपियंस ट्रॉफी में रविंद्र जडेजा (2013) और मोहम्मद शमी (2025) के बाद पांच विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज है। कुलदीप यादव को दो सफलता मिली जबकि हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल ने एक-एक विकेट चटकाये। इससे पहले मैट हेनरी ने आठ ओवर में 42 रन देकर पांच विकेट लिये। उन्हें टीम के दूसरे गेंदबाजों अच्छा साथ मिला। न्यूजीलैंड के लिए

काइल जैमीसन, विलियम ओ'राउरकी, कप्तान मिचेल और रचिन ने एक-एक विकेट लिये। न्यूजीलैंड के क्षेत्ररक्षकों ने कुछ कमाल के कैच पकड़ने के साथ अहम रन बचाये। भारत ने शुरुआती सात ओवर में 30 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे लेकिन अय्यर ने 98 गेंद की पारी में चार चौके और दो छक्के की मदद से 79 रन की संयमित पारी खेलने के अलावा अक्षर (42) के साथ चौथे विकेट के लिए 136 गेंद में 98 रन की साझेदारी कर टीम को खराब शुरुआत से उबारा।

वनडे: कोहली 300 मैच खेलने वाले दुनिया के 22वें क्रिकेटर

दुबई। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मुकाबले में उतरते ही एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। यह कोहली के वनडे करियर का 300वां मुकाबला है। इसी के साथ वह पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों के क्लब में शामिल हो गए हैं जिन्होंने अपने कॅरियर में इतने वनडे मैच खेले हैं। कोहली से पहले 21 खिलाड़ियों ने वनडे में 300 से ज्यादा मुकाबले खेले हैं। कोहली से पहले भारत के छह खिलाड़ियों ने 300 या इससे ज्यादा वनडे मैच खेले हैं। इनमें शीर्ष पर क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले पूर्व भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का नाम दर्ज हैं। उन्होंने 463 मैचों में 18426 रन बनाए हैं।

300 वनडे खेलने वाले भारतीय

खिलाड़ी	मैच	रन
सचिन तेंदुलकर	463	18426
महेंद्र सिंह धोनी	347	10599
राहुल द्रविड़	340	10768
मो. अजहरुद्दीन	334	9378
सौरव गांगुली	308	11221
युवराज सिंह	301	8609
विराट कोहली	300*	14085

भारत- 249/9(50)

खिलाड़ी	रन
रोहित शर्मा का यंग बो जैमीसन	15
शुभमन गिल पगबाधा हेनरी	02
कोहली का फिलिप्स बो हेनरी	11
श्रेयस का यंग बो ओ'राउरकी	79
अक्षर का विलियमसन बो रविंद्र	42
राहुल का लाथम बो सेंटनर	23
हार्दिक का रविंद्र बो हेनरी	45
जडेजा का विलियमसन बो हेनरी	16
शमी का फिलिप्स बो हेनरी	05
कुलदीप यादव नाबाद	01
अतिरिक्त: 10	
कुल योग: 50 ओवर में नौ विकेट पर: 249 रन	
विकेट पतन: 1-15, 2-22, 3-30, 4-128, 5-172, 6-182, 7-223, 8-246, 9-249	
गेंदबाजी: हेनरी 8-0-42-5, जैमीसन 8-0-31-1, ओ'राउरकी 9-0-47-1, सेंटनर 10-1-41-1, ब्रेसवेल 9-0-56-0, रविंद्र 6-0-31-1	

न्यूजीलैंड-205/10 (45.3)

खिलाड़ी	रन
विल यंग बो चक्रवर्ती	22
रचिन रविंद्र का अक्षर बो पंड्या	06
विलियमसन स्टं. राहुल बो अक्षर	81
डेरिल मिचेल पगबाधा कुलदीप	17
टॉम लाथम पगबाधा जडेजा	14
ग्लेन फिलिप्स पगबाधा चक्रवर्ती	12
ब्रेसवेल पगबाधा चक्रवर्ती	02
मिचेल सेंटनर बो चक्रवर्ती	28
मैट हेनर का कोहली बो चक्रवर्ती	02
काइल जैमीसन नाबाद	09
विल ओ' राउरकी बो कुलदीप	01
अतिरिक्त: 11	
कुल योग: 45.3 ओवर में सभी आउट: 205 रन	
विकेट पतन: 1-17, 2-49, 3-93, 4-133, 5-151, 6-159 , 7-169 , 8-195 , 9-19	
गेंदबाजी: शमी 4-0-15-0, पंड्या 4-0-22-1, अक्षर 10-0-32-1, चक्रवर्ती 10-0-42-5, कुलदीप 9.3-0-56-2, जडेजा 8-0-36-1	

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने स्पिन गेंदों का किया अभ्यास

दुबई। ऑस्ट्रेलिया ने रविवार दोपहर आईसीसी अकादमी में तीन घंटे का गहन अभ्यास सत्र आयोजित किया जिसमें उनका पूरा ध्यान स्पिन के खिलाफ अभ्यास पर लगा था। स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों ने जहां हल्का अभ्यास किया, वहीं युवा खिलाड़ियों ने पूरी ताकत लगाई। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने आईसीसी अकादमी के सात नेट गेंदबाजों को चुना जिसमें सभी स्पिनर थे। इनमें बाएं हाथ के धीमी गति के गेंदबाज हर्षित सेठ के अलावा दो बाएं हाथ के चाइनामैन गेंदबाज, इतने ही ऑफ स्पिनर और एक लेग स्पिनर शामिल था। ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका के बाद दूसरे स्थान पर रहा और दोनों टीमें यूएई में मौजूद हैं।

युकी ने दुबई में जीता पहला एटीपी 500 युगल खिताब

एजेंसी ▶▶ दुबई

भारत के युकी भांबरी ने पहला एटीपी 500 पुरुष युगल खिताब जीत लिया जब उन्होंने आस्ट्रेलियाई जोड़ीदार एलेक्सेइ पोपिरिन के साथ दुनिया की 14वें नंबर की जोड़ी फिनलैंड के हारी हेलियोवारा और ब्रिटेन के हेनरी पाटेन को दुबई टेनिस चैंपियनशिप में हराया। पहला सेट हारने के बाद दोनों ने शानदार वापसी करते हुए शनिवार को 51 मिनट तक चला मुकाबला 3-6, 7-6, 10-8 से जीता। इस जीत के साथ भांबरी सोमवार को एटीपी रैंकिंग में कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ 40वीं रैंकिंग हासिल कर लेंगे।

भांबरी और पोपिरिन ने खिताबी सफर में दुनिया की नंबर एक जोड़ी अल सल्वाडोर के मार्शेलो अरेवालो और क्रोएशिया के मेट पेविच को 4-6, 7-6, 10-3 से मात दी।

प्राग मास्टर्स : प्रज्ञानानंदा संयुक्त रूप से शीर्ष पर

एजेंसी ▶▶ प्राग

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए जर्मनी के विंसेंट केमेर को हराया और अब प्राग मास्टर्स शतरंज के चौथे दौर के बाद वह तीन अंक लेकर अरविंद चिदंबरम के साथ शीर्ष पर हैं। अरविंद ने अमेरिका के सैम शांकलैंड के साथ ड्रॉ खेला जबकि शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के वेइ यि ने स्थानीय खिलाड़ी डेविड नवारा को हराया।

नीदरलैंड के अनीश गिरि ने लगातार चौथा ड्रॉ खेला। उनकी बाजी तुर्किए के गुरेल एडिज के साथ बराबरी पर रही। चेक गणराज्य के ग्रैंडमास्टर एंगुयेन थाइ देइ वान ने वियतनाम के कुआंग लेइम ली से ड्रॉ

खेला। शांकलैंड, केमेर, गिरि और ली संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। प्रज्ञानानंदा का सामना अगले दौर में अरविंद से होगा जिसमें वह सफेद मोहरों से खेलेंगे। चैलेंजर वर्ग में दिव्या देशमुख ने चीन की मा कुन से ड्रॉ खेला और अब चार मुकाबलों के बाद उनके डेढ़ अंक हैं।

2036 खेलों को लेकर कई अन्य देश भी दौड़ में शामिल

ओलंपिक मेजबानी के लिए भारत का दावा 'मजबूत'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष पद के दावेदार सेबेस्टियन को का मानना है कि 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत का दावा 'मजबूत' है लेकिन कई अन्य देशों के इस दौड़ में शामिल होने से प्रतिस्पर्धा कठिन होगी।

भारत ने आईओसी के भावी मेजबान आयोग को 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी के लिए पहले ही आशय पत्र सौंप दिया है जो वैश्विक खेल की शीर्ष संस्था के साथ महीनों की अनौपचारिक बातचीत

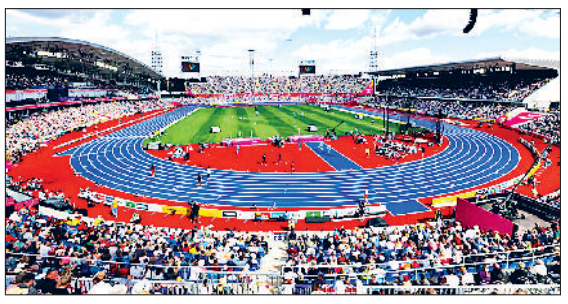

के बाद एक महत्वाकांक्षी योजना में पहला ठोस कदम है। को ने साक्षात्कार में कहा, 'मेरी पृष्ठभूमि को देखते हुए मेरे यह कहने से आपको हैरानी नहीं होगी कि मैं बहुत खुश हूं कि भारत वैश्विक खेल और विशेष रूप से ओलंपिक आंदोलन के लिए प्रतिबद्ध है। मुझे यह सुनकर बहुत खुशी हुई। पर यह बहुत प्रतिस्पर्धी होगा। क्योंकि इसमें सिर्फ एक ही बोलीदाता नहीं होगा, लेकिन भारत इसे बहुत मजबूत दावा बना सकता है।' पोलैंड, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, कतर, हंगरी, तुर्कीए, मैक्सिको और मिस्र उन अन्य देशों में शामिल हैं जिन्होंने 2036 ओलंपिक की मेजबानी की इच्छा व्यक्त की है। 2036 खेलों के मेजबान देश का 2026 से पहले पता नहीं चलेगा। लेकिन यह निश्चित है कि नए आईओसी प्रमुख के 20 मार्च के चुनाव के विजेता की अध्यक्षता के दौरान मेजबान का चयन किया जाएगा। आईओसी अध्यक्ष के रूप में चुनाव लड़ने वाले सात उम्मीदवारों में उन्हें सबसे आगे माना जा रहा है। 68 वर्षीय को दो बार ओलंपिक 1500 मीटर के स्वर्ण पदक विजेता हैं।

खत्म नहीं करें महत्वाकांक्षा

भारत को सलाह देते हुए कहा कि अगर उसे 2036 ओलंपिक की मेजबानी का अधिकार नहीं मिलता है तो उसे ओलंपिक आयोजित करने की अपनी महत्वाकांक्षा को खत्म नहीं करना चाहिए। को ने कहा, 'बहुत से शहरों ने बोली लगाई और लेकिन उनकी बोली स्वीकार नहीं हुई। दिलचस्प बात यह है कि जब लंदन ने 2005 में (2012 चरण के लिए) बोली हासिल की थी, तो उसने पेरिस को हराया था। हम सभी अभी पेरिस ओलंपिक खेलों (2024) में गए थे। रियो उन शहरों में से एक था जो 2012 की बोली के लिए शुरुआती मूल्यांकन से आगे नहीं बढ़ पाया था। और ब्रिटेन के तुरंत बाद उनके पास 2016 में बोली थी। इसलिए यह किसी भी तरह से कहानी का अंत नहीं है। और बोली लगाने से मिली विरासत भी एक बहुत मजबूत विरासत है।'

चिंतन

युद्ध समाप्ति की दिशा में बढ़ें यूक्रेन व रूस

कूटनीति
राजेश जैन

करीब तीन वर्ष से जारी रूस और यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने की दिशा में कोई भी पहल स्वागत योग्य है। लेकिन हाल में अमेरिका व रूस के बीच बातचीत, जेलेंस्की का रूस व यूएस वार्ता को लेकर मुखर रूप, यूरोप की यूक्रेन के साथ तालबंदी, ट्रंप व जेलेंस्की के बीच तीखी बहस और ब्रिटेन, फ्रांस व यूक्रेन की युद्ध विराम योजना पर सहमति आदि घटनाएं इतनी तेजी में घटी हैं, जिसमें कूटनीति फीकी पड़ी है और मदद के बदले 'डील' फ्रंट सीट पर आई है। इसमें सकारात्मक बात है कि ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन एक युद्धविराम योजना पर काम करने के लिए सहमत हो गए हैं, जिसे अमेरिका के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 'ओवल ऑफिस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का कार्यालय) में हुई तीखी बहस के एक दिन बाद यह योजना सामने आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति यूक्रेन में स्थायी शांति चाहते हैं, लेकिन इसे कायम रखने के लिए अमेरिकी सुरक्षा गारंटी की आवश्यकता होगी। यूक्रेन यही मांग रहा है, इसके लिए वह अमेरिका के साथ 'अपमानजनक' खनिज दोहन समझौता के लिए भी तैयार हो गया था। अमेरिका शांति सुरक्षा के नाम पर कोई गारंटी नहीं देना चाहता है। यह सर्वविदित है कि अमेरिका व अधिकांश यूरोपीय देशों ने रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन की मदद की है, ये मददगार देश यूक्रेन के कंधे पर बंदूक रखकर रूस के अंत की तारीख लिखना चाह रहे थे। यूक्रेन भी बिना मदद युद्ध को इतने लंबे समय तक जारी नहीं रख सकता था। लेकिन तीन साल के बाद अमेरिका में सत्ता परिवर्तन हुआ और ट्रंप राष्ट्रपति बने, तब अमेरिकी प्रशासन की राय बनी कि यूक्रेन को युद्ध के लिए मदद करना पैसे की बर्बादी है, इसलिए इस मदद को रोका जाय। इसी के साथ यूक्रेन से उसको की गई करीब 350 अरब डॉलर की मदद के बदले दुर्लभ खनिज उत्खनन पर अधिकार हासिल किया जाए। अमेरिका के मुंह फेरने के बाद यूक्रेन के लिए विकट स्थिति बन गई है। यूरोप यूक्रेन के साथ हैं, लेकिन धन व अस्त्र-शस्त्र की आपूर्ति जारी रखने में सक्षम नहीं हैं। ऐसे में अमेरिकी मदद के बिना यूक्रेन के लिए युद्ध जारी रखना संभव नहीं है। युद्ध समाप्ति की दिशा में प्रयास के तहत अमेरिका ने रूस से वार्ता की, इसको लेकर यूक्रेन नाराज हुआ कि बिना उसकी भागीदारी के वार्ता के नतीजे वो स्वीकार नहीं करेगा। यह स्वाभाविक भी है कि युद्ध के दोनों पक्षकार का वार्ता में होना जरूरी है। अमेरिका ने ऐसा नहीं किया। अमेरिका रूस को मना रहा है कि युद्ध खत्म करने के लिए वह तैयार हो, लेकिन यूरोप व यूक्रेन अमेरिका की इस पहल पर सहज नहीं हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति अमेरिका आए और मदद जारी रखने के बदले खनिज पर अधिकार को लेकर ट्रंप प्रशासन के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले थे। तभी ट्रंप व जेलेंस्की में तीखी बहस हुई, उन्हें ओवल ऑफिस छोड़ने के लिए कहा गया। इन सबमें ट्रंप का रवैया कूटनीतिज्ञ जैसा नहीं रहा, वे यूक्रेनी संप्रभुता व अपने आतिथ्य का सम्मान नहीं कर रहे थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द से जल्द इस युद्ध को समाप्त कर अपना चुनावी वादा पूरा करना चाहते हैं। लेकिन जैसी जल्दबाजी और तरीका ट्रंप प्रशासन अपना रहा है, वह यूक्रेन को नहीं पच रहा है। यूरोप, अमेरिका, यूक्रेन व रूस के बीच फ्रंट व बैकडोर डिप्लोमेसी से बात करके ही युद्ध समाप्ति का फार्मूला निकल सकता है। यह यूक्रेन व रूस को तय करना है कि वह शांति चाहते हैं या युद्ध? यूक्रेन के लिए राह अधिक कठिन है।

ट्रम्प के रवैये से 'भरोसे' को झटका

अगर ट्रम्प 'सुरक्षा शुल्क', खनिज या जमीन की मांग कर सकते हैं तो आगे यह भी मांग की जा सकती है कि हमारे गुलाम बन जाओ या चीन या रूस के रहम पर रहो। इससे पहले भी डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन ने कई बार अंतरराष्ट्रीय नियमों और कूटनीतिक परंपराओं की अनदेखी की है। चाहे वह जलवायु समझौते से बाहर होना हो, विश्व स्वास्थ्य संगठन की फंडिंग रोकना हो, या फिर ईरान के साथ परमाणु समझौते को तोड़ना, इन सभी फैसलों में शक्ति प्रदर्शन और आत्मकेंद्रित नीतियों की झलक साफ दिखाई दी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का रवैया बताता है कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नैतिकता और मूल्यों की जगह सैन्य और आर्थिक शक्ति को प्राथमिकता दी जा रही है।

अमेरिका चाहता है कि यूक्रेन या तो अपनी आधी खनिज संपदा उसे देने का सौदा करे या अपनी जमीन का करीब पांचवां भाग छोड़ दे, वहीं 'नाटो' का सदस्य बनने या किसी दूसरी तरह की सुरक्षा गारंटी हासिल करने की बात तो भूल ही जाए। फरवरी के अंतिम दिन अमेरिका दौरे के दौरान इससे इनकार पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को व्हाइट हाउस से निकाल दिया गया। ट्रम्प ने कहा कि जेलेंस्की बातचीत की हालत में नहीं है। जेलेंस्की ने फिर से ट्रम्प के साथ बातचीत करने की इच्छा जाहिर की, लेकिन उन्हें मौका नहीं दिया गया।

ट्रंप ने इससे पहले कनाडा को अमेरिका का 51वां सूबा बनाने की बात कही थी। ग्रीनलैंड को खरीदने और गाजा को फलस्तीनियों से खाली करवाने की बात भी वे कह चुके हैं। यूरोप को वे यह कहकर रोने पर मजबूर कर रहे हैं कि उन्हें बे-लगाम पुतिन का सामना अपने ही बूते करना पड़ेगा। अब सवाल यह नहीं है कि ट्रम्प इन धमकियों पर अमल करेंगे या नहीं। मुद्दे की बात यह है कि कोई भी संप्रभुता-संपन्न देश ऐसी धमकियों को महज लफ्फाजी मानकर खारिज नहीं कर सकता। यहां भरोसा तोड़ा गया है। अगर ट्रम्प 'सुरक्षा शुल्क', खनिज या जमीन की मांग कर सकते हैं तो आगे यह भी मांग की जा सकती है कि हमारे गुलाम बन जाओ या चीन या रूस के रहम पर रहो। हो सकता है ट्रम्प ग्रीनलैंड ले जाएं, शी जिनपिंग ताइवान ले उड़ें और पुतिन बाल्टिक्स का कुछ हिस्सा दबोच लें। इससे पहले भी डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन ने कई बार अंतरराष्ट्रीय नियमों और कूटनीतिक परंपराओं की अनदेखी की है। चाहे वह जलवायु समझौते से बाहर होना हो, विश्व स्वास्थ्य संगठन की फंडिंग रोकना हो, या फिर ईरान के साथ परमाणु समझौते को तोड़ना, इन सभी फैसलों में शक्ति प्रदर्शन और आत्मकेंद्रित नीतियों की झलक साफ दिखाई दी। ट्रम्प का रवैया बताता है कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नैतिकता और मूल्यों की जगह सैन्य और आर्थिक शक्ति को प्राथमिकता दी जा रही है।

यह स्थिति उस कहावत को चरितार्थ करती है- 'जिसके पास लाठी, उसकी भैंस।' अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम पर नजर रखने वाले जानते हैं कि जब अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन थे, तब यूक्रेन को अमेरिका और यूरोपीय देशों की ओर से दी जा रही मदद लोकतंत्र को बचाने की जंग थी। उन्हें अहसास था कि अगर पुतिन की मनमानी को नहीं रोका तो वह विस्तारवादी नीतियों पर आगे बढ़ते रहेंगे। आपको बता दें कि पुतिन के बारे में माना जाता रहा है कि वे सोवियत संघ के दौर के साम्राज्यवाद को फिर से स्थापित करना चाहते हैं। पोलैंड, स्लोवाकिया, लातविया, एस्टोनिया और मोल्दोवा पुतिन के निशाने पर हैं। उन्होंने 2014 में यूक्रेन से क्रीमिया छीना था। 2022 के बाद युद्ध में भी पुतिन यूक्रेन के कई क्षेत्रों पर कब्जा करने में कामयाब रहे हैं। यूक्रेन के सहयोगी यूरोपीय देश चाहते हैं कि युद्ध पुतिन की शर्तों पर खत्म नहीं करना चाहिए।

युद्ध खत्म करवाने की एवज में रूसी राष्ट्रपति से भी रियायतें हासिल करनी चाहिए। ट्रम्प से मिलने के बाद जेलेंस्की ने भी कहा कि यूक्रेन तब तक रूस के साथ पीस डील में शामिल नहीं होगा जब तक कि उसे सुरक्षा की पूरी गारंटी नहीं मिल जाती। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में जिस प्रकार 'अमेरिका

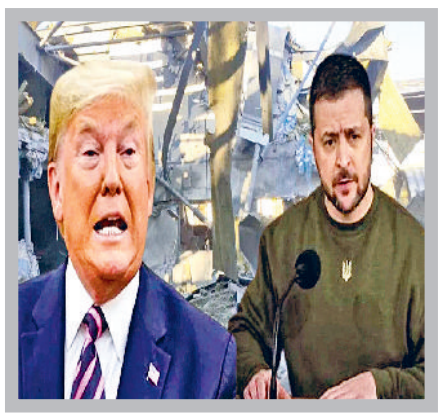

फर्स्ट' नीति के तहत मनमानी और शक्ति प्रदर्शन को प्राथमिकता दी गई, उसने वैश्विक संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। उनकी विदेश नीति, व्यापार समझौतों से लेकर सैन्य हस्तक्षेप तक, एक ही संदेश देती है- 'जिसके पास शक्ति है, वही नियम तय करेगा।' यह दृष्टिकोण न केवल अमेरिका की वैश्विक छवि को बदल रहा है, बल्कि अन्य महाशक्तियों को भी इसी राह पर चलने के लिए प्रेरित कर रहा है, जिससे दुनिया में अराजकता की आशंका बढ़ रही है।

हो सकता है चीन ताइवान को अपने में मिलाने के लिए जंग छेड़ दे। हाल ही में शी चिनफिंग ने कहा भी है कि ताइवान मसले को वह आने वाली पीढ़ियों की खातिर नहीं छोड़ना चाहते यानी वह अपने कार्यकाल में उसका विलय चीन में करना चाहते हैं। आपको बता दें कि 1994 में यूक्रेन ने रूस, यूरोप और अमेरिका से सुरक्षा की गारंटी मिलने के बाद परमाणु हथियारों के अपने भंडार को त्याग दिया था। आज यूक्रेन के हालत देखकर अब कौन ऐसे शांति प्रस्तावों पर भरोसा करने का साहस करेगा। ट्रम्प साफ़ कह रहे हैं कि किसी की भी सुरक्षा अमेरिका का सिरदर्द नहीं है। ऐसे में क्या होगा जब ट्रम्प जापान से कहेंगे कि मुझे ओकिनावा दे दो या ऑस्ट्रेलिया से कहें कि अमेरिका से सुरक्षा गारंटी की कीमत के रूप में अपने खनिज संसाधन का पांचवां हिस्सा हमें दे दो। ऐसी ही आशंकाओं को देखते हुए यूरोप के अलावा जापान, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अमेरिका के सभी मित्र देश उससे मिल रही सुरक्षा गारंटियों की समीक्षा कर सकते हैं। ट्रम्प ने परमाणु अप्रसार के विचार की हत्या कर दी है। परमाणु हथियार फिर से युद्ध-प्रतिरोधक बन गए हैं। आज उत्तरी कोरिया के किम जोंग उन यूक्रेन और यूरोप की हालत पर हंस रहे होंगे और सोच रहे होंगे कि अगर उन्होंने अमेरिकी अतिक्रमण के जवाब में दक्षिण कोरिया या जापान पर परमाणु हमला करने की चेतावनी न दी होती तो क्या अमेरिका उन्हें सलामत रहने देता? ईरान इस सब पर नजर रखे हुए है। अगर पाकिस्तान उन्हें बना सकता है तो कोई भी बना सकता है।

मध्य-पूर्व में ईरान, सऊदी अरब और क्या पता दक्षिण अफ्रीका, तुर्किये, अजरबैजान और मिस्र भी आज के हालत में इनके बारे में सोच रहे हों। कभी परमाणु अप्रसार की पक्षधर अमेरिकी लॉबी भारत पर दबाव बना रही थी कि वह परमाणु हथियार न बनाए। अमेरिका से कई उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भारत आए, यह समझाने के लिए कि हम व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि पर दस्तखत कर दें। दबाव का यह सिलसिला नेहरू से लेकर तब तक चला, जब तक कि इंदिरा गांधी ने 1974 में परमाणु परीक्षण और इसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी ने पोखरण-2 करके इसे खत्म नहीं कर दिया। हमारे देश में भी शांतिवादियों ने वैचारिक या नैतिक आधार पर परमाणु बम बनाने पर विरोध किया था। तब हमारे नेता अडिग रहे। शायद इसके पीछे उनकी यह दूरदर्शिता थी कि एक दिन ऐसा आएगा जब सुरक्षा की कोई गारंटी काम नहीं आएगी। यदि वैश्विक राजनीति में शक्ति और स्वार्थ को ही नीति बनाने की प्रवृत्ति बढ़ती रही, तो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में अस्थिरता और अराजकता का खतरा और बढ़ेगा।

संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं पहले से ही कमजोर पड़ रही हैं और यदि बड़े देश अपनी मनमानी पर उतर आए, तो छोटे और विकासशील देशों के लिए संकट उत्पन्न हो जाएगा। इसके अलावा, यदि महाशक्तियां अपने आर्थिक और सैन्य बल के आधार पर नीतियां लागू करेंगी, तो वैश्विक शांति खतरे में पड़ सकती है और नए संघर्षों की संभावना बढ़ सकती है। इस चुनौतीपूर्ण समय में संतुलन और नैतिकता आधारित कूटनीति की जरूरत पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

विश्लेषण
प्रमोद भार्गव

परमाणु हथियार नहीं होने से यूक्रेन लाचार

खुद की शक्ति नहीं होने की लाचारी मनुष्य या किसी देश को कहां लाकर खड़ा कर देती है, इसका जीता-जागता उदाहरण यूक्रेन और उसके राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की हैं। यूक्रेन के जब वे राष्ट्रपति बने थे, तब वे हास्य कलाकार थे, उन्हें राजनीति का कोई अनुभव नहीं था। इसी का परिणाम रहा है कि वे आज दुनिया की दो महाशक्तियों अमेरिका और रूस के बीच असहाय बने हास्यास्पद स्थिति से दो-चार हो रहे हैं। यूक्रेन का स्वाभिमान टूट चुका है। उसे अमेरिका युद्ध समाप्त करने की धमकी के साथ दुर्लभ खनिज संपदा छीन लेने के लिए भी मजबूर कर रहा है। बावजूद उसे सुरक्षा की कोई गारंटी तो दी ही नहीं जा रही, बल्कि रूस और चीन की दया पर जीते रहने की परिस्थितियां निर्मित की जा रही हैं। यह स्थिति किसी भी संप्रभुता वाले देश के लिए परतंत्रता स्वीकार लेने जैसी है। इस स्थिति को यूक्रेन इसलिए विवश है, क्योंकि उसने सोवियत संघ के विघटन के बाद 1994 में परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर करने के बाद उन्हें नष्ट कर देने की बड़ी भूल की थी। आज वह परमाणु निरस्त्रीकरण के दुष्परिणाम झेलने को मजबूर है। जबकि भारत ने परमाणु परीक्षण से जुड़ी इस संधि पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया था। भारत की ओट लेकर पाकिस्तान ने भी यही रुख अपनाया था। अगस्त-1999 में भारत सरकार ने इस सिद्धांत का एक प्रस्ताव भी जारी किया था। इसमें कहा गया था कि 'परमाणु हथियार केवल निरोध के लिए हैं और भारत केवल प्रतिशोध की नीति अपनाएगा। 'अर्थात भारत कभी स्वयं आगे बढ़कर पहले परमाणु हमला नहीं करेगा। आईसीएएन संगठन अंतरराष्ट्रीय संधि के माध्यम से दुनिया को परमाणु हथियार मुक्त बनाने के प्रयासों में जुटा है। संगठन के प्रयासों पर सहमति जताते हुए 122 देशों ने परमाणु हथियारों को प्रतिबंधित करने की संधि भी कर ली है। संयुक्त राष्ट्र संघ की जब 1945 में स्थापना हुई थी, तब उसका मुख्य उद्देश्य विश्व फलक पर परमाणु निरस्त्रीकरण ही था, लेकिन इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि इस वैश्विक संस्था के अस्तित्व में आने के बाद से ही परमाणु हथियार रखने वाले देशों की संख्या तो बढ़ ही रही है, परमाणु और हाइड्रोजन बमों की संख्या भी बढ़ रही है। जो देश परमाणु संपन्न हैं, वे अब तक परमाणु व अप्रसार संधि (एनपीटी) पर दस्तखत करने को तैयार नहीं हुए हैं। इन देशों में अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, भारत, पाकिस्तान, इजराइल और उत्तर-कोरिया शामिल हैं। यदि ये देश इन हथियारों को चिंगारी दिखा दें तो पूरा ब्रह्माण्ड तहस-नहस हो जाएगा। आईसीएएन के प्रयास से 122 देशों ने संयुक्त राष्ट्र की परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर किए हैं। इस लिहाज से इस संस्था का परमाणु युद्ध संबंधी खतरा टालने में अहम भूमिका सामने आई है। हालांकि परमाणु संपन्न देशों द्वारा संधि पर दस्तखत नहीं करने के कारण यह संकट यथावत बना हुआ है। इसी परमाणु शक्ति को स्वाहा कर देने के कारण यूक्रेन ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन जैसे निष्ठुर पाटों के बीच पिस रहा है। ट्रंप यूक्रेन पर युद्ध समाप्ति से पहले बड़ा दुर्लभ खनिज संपदा का सौदा करने की तैयारी में है। यह सौदा अमेरिका द्वारा यूक्रेन को दी गई अमेरिकी सैन्य मदद के बदले में किया जा रहा है। जबकि युद्ध थोपते वक्त ऐसी कोई शर्त यूक्रेन के समक्ष अमेरिका ने नहीं रखी थी। जेलेंस्की ने कहा भी है कि अमेरिका उन पर 500 अरब डॉलर के सौदे पर हस्ताक्षर करने का दबाव बना रहा है, लेकिन भविष्य में रूस से सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं दी जा रही है। यदि जेलेंस्की इस सौदे पर हस्ताक्षर नहीं करते हैं तो भविष्य में उन्हें किसी भी प्रकार की आर्थिक मदद अमेरिका द्वारा नहीं दी जाएगी। हालांकि जेलेंस्की ने यह जरूर भरोसा दिया था कि यदि यूक्रेन में शांति स्थापना होती है तो वे नाटो देशों की सदस्यता मिलने पर राष्ट्रपति पद छोड़ देंगे। इधर इस सौदेबाजी के परिप्रेक्ष्य में पुतिन ने भी अमेरिकी कंपनियों को रूस के साथ व्यापारिक समझौतों के लिए आमंत्रित किया है। पुतिन ने कहा है कि यदि अमेरिकी कंपनियां चाहें तो रूस ने यूक्रेन की जिस भूमि पर कब्जा किया है, उस क्षेत्र में खनिज संपदा का दोहन कर सकती हैं। साथ ही रूस ने साइबेरिया क्षेत्र में भी खनिज संपदा के उत्खनन के लिए भी कहा है। इस क्षेत्र में अत्यंत दुर्लभ खनिजों की उपलब्धता है। एक तरह से रूस ने अमेरिका के साथ मिलकर खनिज व्यापार की जो लकीर खींच दी है, उससे यूक्रेन की स्थिति उस लाचारी की अवस्था में आ गई है, जहां वह अपना अभिमान, अखंडता और संप्रभुता की गरिमा बचाए रखने की स्थिति में नहीं रह गया है। यदि यूक्रेन ने परमाणु अप्रसार संधि पर दस्तखत नहीं किए होते तो वह इस लाचारी को प्राप्त नहीं हुआ होता।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार और पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

आध्यात्मिक चेतना आखिर क्या है?

संकलित
दर्शन

आज मनुष्य अत्यधिक भौतिकवादी तथा लालची हो गया है। बलिदान, त्याग, संतोष, प्रज्ञा, चिंतन-मनन, मुक्ति और मोक्ष जैसे शब्द हमारे शब्दकोश से धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं, जो कि आध्यात्मिक मूल्यों के द्योतक रहे हैं। व्यापक उपभोगवादी संस्कृति तथा भोग-विलास से पोषित भौतिकवाद की नई उभरी संस्कृति ने आध्यात्मिक चेतना पर पर्दा डाल दिया है। धन-अर्जन, सत्ता तथा प्रसिद्धि की लालसा और सुखवादी जीवन-प्रणाली आज जीवन का परम लक्ष्य है। सभी धर्मों ने लालच को महापाप कहा है, परंतु आज लालच ही मुख्य प्रेरणा-द्वार है। ऋषि-मुनि आध्यात्मिक मूल्यों को सर्वोच्च महत्व देते हैं। हिंदू धर्म के आध्यात्मिक मूल्यों का अनुक्रम है-धर्म, अर्थ, काम तथा मोक्ष। अर्थ तथा काम संसारिक मूल्य हैं, जबकि धर्म तथा मोक्ष आध्यात्मिक मूल्य हैं, परंतु धर्म का स्थान सर्वदा प्रथम है। यह अर्थ तथा काम दोनों का प्रेरक तथा नियंत्रक है। जीवन के हिंदू दृष्टिकोण के अनुसार, सात्विक सर्वाधिक ऊंचा आदर्श है। इसके बाद राजसी का स्थान है, जो एक आदर्श नहीं, परंतु सामाजिक आवश्यकता है। तामसिक सबसे अधिक अपमानजनक वृत्ति है, जिससे सभी बुद्धिमान दूर रहते हैं। मनु की पद्धति में सतत्व को न्याय की संज्ञा दी गई है, राजस को आकांक्षा की तथा तमस को इच्छाओं की। महापुरुषों ने चिंतन-मनन को मनुष्य के परम आनंद के रूप में देखा। आंतरिक शांति तथा आध्यात्मिक ज्ञान के लिए समर्पित जीवन ही मानव गतिविधियों का सवरेत्तम रूप है।

जीवन में सब ईश्वर की दया ही है

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक अमीर सेठ के यहां एक नौकर काम करता था, अमीर सेठ अपने नौकर से तो बहुत खुश था, लेकिन जब भी कोई कटु अनुभव होता तो वह भगवान को अनाप शनाप कहता और बहुत कोसता था। एक दिन वह अमीर सेठ ककड़ी खा रहा था, संयोग से वह ककड़ी कच्ची और कड़वी थी। सेठ ने वह ककड़ी अपने नौकर को दे दी। नौकर ने उसे बड़े चाव से खाया जैसे वह बहुत स्वादिष्ट हो। अमीर सेठ ने पूछाः ककड़ी तो बहुत कड़वी थी, भला तुम ऐसे कैसे खा गये? नौकर बोलाः आप मेरे मालिक है, रोज ही स्वादिष्ट भोजन देते है, अगर एक दिन कुछ बेस्वाद या कड़वा भी दे दिया तो उसे स्वीकार करने में भला क्या हर्ज है? अमीर सेठ अपनी भूल समझ गया, अगर ईश्वर ने इतनी सुख-सम्पदाएं दी है, और कभी कोई कटु अनुदान या सामान्य मुसीबत दे भी दे तो उसकी सद्भावना पर संदेह करना ठीक नहीं। असल में यदि हम समझ सकें तो जीवन में जो कुछ भी होता है, सब ईश्वर की दया ही है। ईश्वर जो करता है अच्छे के लिए ही करता है। हम केवल जीवन में अच्छे व उजले पक्ष को ही देखते हैं। हमें सुख, आराम पसंद है, पर दुख व कष्ट के क्षण आते ही हमारा मन विचलित होने लगता है। जीवन में सुख और दुख दोनों ही पल होते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

करों का उचित प्रयोग करें सरकारें

हाल ही में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने यह फैसला सुनाया कि अगर सड़कों की हालत खस्ता है तो टोल टैक्स लेने का सरकारों का कोई औचित्य नहीं है। कोर्ट ने नेशनल हाइवे 44 पर स्थित दो टोल प्लाजों पर लगभग 80 प्रतिशत टोल टैक्स कम करने के आदेश भी दिए हैं। सरकारें हमसे किसी भी रूप में जो टैक्स वसूलती हैं, उसका सदुपयोग नहीं किया जाए तो यह सरकारों की सबसे बड़ी नासमझी है। हमारे देश में दिन-प्रतिदिन सड़क हादसों में जान गंवाने वालों का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। देश में सड़क हादसों में एक दिन में जितने लोग जान गंवाते हैं, वो आतंकवाद के शिकार होने वाले पीड़ितों से ज्यादा हैं। सड़क हादसा कभी अपनी लापरवाही से हो जाता है, तो कभी दूसरों की लापरवाही से। बहरहाल, सभी सरकारों को यह तय करना चाहिए कि करों का उचित प्रयोग हो। - *मनीष मिश्रा, दुर्ग*

ट्रेंड

माइक मासिमिनो से मुलाकात

प्रतिष्ठित अंतरिक्ष यात्री माइक मासिमिनो से मिलकर खुशी हुई। अंतरिक्ष के प्रति उनका जुनून और इसे युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाना भी सर्वविदित है। यह भी सराहनीय है कि वह सीखने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कैसे काम कर रहे हैं।
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जनता से किए वादे निभाएंगे

हमारे लिए सत्ता, जनता द्वारा सौंपा गया वह पुनीत अवसर है, जिसके माध्यम से हम लोक कल्याण और अन्त्योदय के लिए कार्य कर सकते हैं। हम उन सभी वादों को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं, जो दिल्ली की जनता से किए गए हैं।
-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

नशे के ख़िलाफ़ महायुद्ध

पंजाब में नशे के खिलाफ़ हमारी सरकार ने महायुद्ध छेड़ दिया है। नशे ने हमारे युवाओं और बच्चों को बड़ी संख्या में बर्बाद कर दिया। नशा बेचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पंजाब से नशे को हमेशा के लिए खत्म किया जाएगा।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, दिल्ली

नकारात्मक रिश्ते

तेज़ बहती नदी में भँवर की तरह, आप अक्सर नकारात्मक रिश्तों और भावनाओं में फँसे रहते हैं.. नदी बह रही है.. तुम्हें तय करना होगा कि तुम कौन हो.. भँवर या नदी? -शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

निजी अमेरिकी कंपनी का लैंडर 'बलू घोस्ट' चंद्रमा पर उतरा

एक निजी अमेरिकी कंपनी का अंतरिक्ष यान रविवार को चांद पर उतरा और यह अंतरिक्ष एजेंसी नासा के लिए प्रयोग किये। फायरफ्लाई एयरोस्पेस का 'ब्लू घोस्ट' लैंडर स्वचालित रूप से चंद्रमा की कक्षा से उतरा, जिसका लक्ष्य चंद्रमा के उत्तरपूर्वी छोर पर स्थित प्रभाव बेसिन में स्थित प्राचीन ज्वालामुखी गुंबद की ढलानों पर पहुंचना था। कंपनी के मिशन कंट्रोल ने बताया कि, 'हम चांद पर हैं'। साथ ही उसने बताया कि लैंडर की स्थिति 'स्थिर है'। टेक्सास स्थित कंपनी फायरफ्लाई एयरोस्पेस ने इस अंतरिक्ष यान को विकसित किया है। एक दशक पहले स्थापित स्टार्टअप फायरफ्लाई को एक सहज, सीधी लैंडिंग ने ऐसा पहला निजी संगठन बना दिया है, जिसने अंतरिक्ष यान को चंद्रमा पर उतारा है। केवल पांच देशों रूस, अमेरिका, चीन, भारत और जापान ने ही ऐसी सफलता मिलने का दावा किया है। दो अन्य कम्पनियों के 'लैंडर' के भी इस सप्ताह के अंत में चंद्रमा पर उतरने की उम्मीद है। फ्लोरिडा से जनवरी के मध्य में प्रक्षेपित किये गये 6 फुट 6 इंच (2 मीटर) लंबे 'लैंडर' ने नासा के लिए चंद्रमा पर 10 प्रयोग किये।

ऑफ बीट

नाक से सांस लेने पर आपकी दौड़ हो सकती है आसान

श्वास अवचेतन है। हमें इसके बारे में सोचने की ज़रूरत नहीं है - यह बस हो जाता है। कम और मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम (जैसे पैदल चलना और साइकिल चलाना) के दौरान, हममें से अधिकांश लोग अपनी नाक से सांस लेते हैं और अपने मुंह से सांस छोड़ते हैं। लेकिन व्यायाम जितना अधिक तीव्र होता जाता है, उतना ही हम पूरी तरह मुंह से सांस लेने लगते हैं। हममें से अधिकांश लोग यह मानेंगे कि गहन व्यायाम के दौरान मुंह से सांस लेना सबसे अच्छी तकनीक है, क्योंकि यह हमारी मांसपेशियों तक अधिक ऑक्सीजन पहुंचने में मदद देता है। लेकिन सबूत इसके विपरीत दिखाते हैं - और यह कि आपकी नाक से सांस लेना वास्तव में गहन व्यायाम (जैसे दौड़ना) के दौरान उपयोग करने के लिए एक बेहतर तकनीक हो सकती है। व्यायाम करते समय, मुंह से सांस लेने की तुलना में नाक से सांस लेने पर कम ऑक्सीजन का उपयोग होता है। हालांकि यह कोई फ़ायदा नहीं लग सकता है, लेकिन मूल रूप से इसका मतलब यह है कि शरीर कम ऑक्सीजन का उपयोग करते हुए भी उतनी ही मात्रा में व्यायाम कर सकता है। और गति को अधिक समय तक बनाए रखना ही सफलता का मूलमंत्र है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड,
रोहतक-124001 फोनः 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

27 करोड़ के हाईटेक मार्केट का उद्घाटन किया

मोदी ने जामनगर में वनतारा पशु संरक्षण केंद्र का किया दौरा

जामनगर (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार सुबह गुजरात के जामनगर जिले में पशु बचाव, संरक्षण एवं पुनर्वास केंद्र वनतारा का दौरा किया। तीन हजार एकड़ में फैला वनतारा रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी के परिसर में स्थित है। यह वन्यजीवों के कल्याण के लिए समर्पित बचाव केंद्र है, तथा दुर्व्यवहार और शोषण से बचाए गए पशुओं को अभयारण्य, पुनर्वास व चिकित्सा देखभाल प्रदान करता है। वनतारा के भ्रमण के बाद प्रधानमंत्री गिर सोमनाथ जिले में स्थित सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद वह श्री सोमनाथ ट्रस्ट की बैठक की अध्यक्षता करेंगे जो इस प्रसिद्ध धार्मिक स्थल का प्रबंधन करता है।

3000 एकड़ ग्रीनबेल्ट में फैला 'वनतारा'

लायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस फाउंडेशन द्वारा वनतारा (स्टार ऑफ फॉरेस्ट) कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत, घायल जानवरों का बचाव, उपचार, देखभाल और उनका पुनर्वास शामिल है। वनतारा रिलायंस के जामनगर स्थित रिफाइनरी परिसर के 3000 एकड़ ग्रीनबेल्ट में फैला हुआ है। वनतारा प्रोजेक्ट जानवरों को समर्पित अपनी तरह का देश का पहला सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है। इस पूरे इलाके को घने जंगल की तरह विकसित किया गया है। इस प्रोजेक्ट में अब तक घायल और अकेले छोड़ दिए गए 200 हाथियों को लाया जा चुका है। हाथियों के लिए विशेष शेल्टर और जगह-जगह जलाशय भी बनाए गए हैं। इतना ही नहीं, हाथियों को उठाने के लिए क्रेन की भी व्यवस्था है। इन हाथियों का ख्याल रखने के लिए ही 500 से ज्यादा प्रशिक्षित कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को तीन दिवसीय यात्रा पर गुजरात पहुंचे हैं। रविवार सुबह करीब 11 बजे पीएम जामनगर में स्थित रिलायंस द्वारा संचालित पशु बचाव एवं पुनर्वास केंद्र 'वनतारा' पहुंचे। वनतारा का दौरा करने के बाद शाम करीब 5.00 बजे सोमनाथ पहुंचे। यहां प्रथम ज्योतिर्लिंग की पूजा अर्चना करने के बाद 27 करोड़ रुपए से तैयार किए गए हाईटेक मार्केट का उद्घाटन किया।

सोमनाथ में की प्रथम ज्योतिर्लिंग की पूजा

मोदी ने गुजरात की तीन दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन गिर सोमनाथ जिले में स्थित सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। मोदी ने प्रभास पाटन स्थित 12 ज्योतिर्लिंगों में से प्रथम शिव मंदिर में दर्शन किए और प्रार्थना की। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री सोमवार को विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर सासन में 'लायन सफारी' पर जाएंगे और राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) की बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

खबर संक्षेप

रमजान पर पीएम मोदी और राहुल ने दी बधाई

नई दिल्ली। इस्लाम धर्म का सबसे पवित्र महीना 'रमजान' शुरू हो गया है। शनिवार शाम चांद दिखने

के बाद 'रमजान' के पवित्र महीने का रविवार से आगाज हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को 'रमजान' की बधाई दी है। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा किरमजान का पवित्र महीना शुरू हो रहा है। यह समाज में शांति और सद्भाव लेकर आएगा। राहुल गांधी ने भी बधाई दी है।

झांसी में पेट्रोल पंप पर विस्फोट, 3 कर्मी झुलसे

झांसी। इलाइट-चित्रा मार्ग पर स्थित एक पेट्रोल पंप पर रविवार दोपहर अचानक धमाका हो गया।

ब्लास्ट से 3 कर्मचारी झुलस गए। एक कर्मचारी की हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद पंप पर भगदड़ मच गई। घटना उस समय हुई, जब पेट्रोल पंप के सीएनजी पंप पर मशीन को लगाने का काम चल रहा था। गैस रिसाव होने के बाद यह धमाका हो गया।

हम निकम्मे थे, हमने कुछ नहीं किया: राय

नई दिल्ली। आप के नेता गोपाल राय ने रविवार को दिल्ली सरकार की 15 साल से ज्यादा पुराने वाहनों

को ईंधन न देने की नीति पर बयान दिया। उन्होंने आप सरकार के कार्यकाल में किए गए कामों को गिनाया। साथ ही उन्होंने भाजपा की नई नीति पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि हम स्वीकार कर सकते हैं कि हम हम निकम्मे थे। हमने कुछ नहीं किया।

दिल्ली में 2,500 मासिक योजना को पंजीकरण 8 से

नई दिल्ली (भाषा)। भाजपा सरकार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति माह प्रदान करने के लिए पंजीकरण प्रक्रिया आठ मार्च से शुरू करेगी। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में घोषणापत्र में वादा किया था कि दिल्ली में सत्ता में आने पर वह आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को महिला समृद्धि योजना के तहत 2,500 रुपये प्रति माह उपलब्ध कराएगी।

पार्टी की सभी जिम्मेदारियों से मुक्त करने का किया ऐलान

बसपा प्रमुख मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को उत्तराधिकारी पद से हटाया

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

> मायावती बोलीं, अब उनकी आखिरी सांस तक पार्टी में उनका कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। इस कार्रवाई के लिए पार्टी नहीं, बल्कि पूर्ण रूप से उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ जिम्मेदार।

बसपा प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद से सभी जिम्मेदारियां छीन ली हैं। एक साल में दूसरी बार आकाश आनंद को उत्तराधिकारी और नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटा दिया है। उन्होंने कहा- जीते-जी किसी को भी अपना उत्तराधिकारी घोषित नहीं करूंगी। मायावती ने यह ऐलान रविवार को लखनऊ में बसपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में किया। मायावती ने दो नए नेशनल को-ऑर्डिनेटर नियुक्त किए हैं। आकाश के पिता आनंद कुमार और राज्यसभा सांसद रामजी गौतम को जिम्मेदारी सौंपी है। बैठक में बसपा के कई राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष भी शामिल हुए। आकाश आनंद मीटिंग में नहीं पहुंचे थे। पहले मंच पर दो कुर्सियां लगाई गई थीं, लेकिन बाद में एक कुर्सी हटा ली गई। मंच पर अकेले मायावती ही बैठी रहीं।

बैठक में कई राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष भी शामिल हुए।

आकाश आनंद मीटिंग में नहीं पहुंचे थे।

दो नए नेशनल को-ऑर्डिनेटर नियुक्त किए

आकाश के पिता आनंद कुमार और राज्यसभा सांसद रामजी गौतम को जिम्मेदारी सौंपी।

मेरे लिए पार्टी सबसे पहले, परिवार बाद में

मायावती ने कहा कि मैं यह बताना चाहती हूं कि बदले हुए हालात को देखते हुए अब हमने अपने बच्चों के रिश्ते गैर-राजनीतिक परिवारों में ही करने का फैसला किया। इसका मकसद यह है कि भविष्य में हमारी पार्टी को किसी भी तरह का नुकसान न हो, जैसा कि अशोक सिद्धार्थ के मामले में हुआ। इतना ही नहीं, बल्कि मैंने खुद भी यह निर्णय लिया है कि मेरे जीते जी और आखिरी सांस तक पार्टी में मेरा कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। मेरे लिए पार्टी और आंदोलन सबसे पहले हैं, जबकि परिवार और रिश्ते बाद में आते हैं। जब तक मैं जीवित रहूंगी, तब तक पूरी ईमानदारी से पार्टी को आगे बढ़ाती रहूंगी।

मायावती ने आकाश को कब-कब जिम्मेदारियां सौंपीं और हटाया

- *बसपा ने 10 दिसंबर, 2023 को यूपी-उत्तराखंड के नेताओं की बैठक बुलाई थी। इसमें मायावती ने अपने सबसे छोटे भाई आनंद कुमार के बेटे आकाश आनंद को उत्तराधिकारी घोषित किया था। पार्टी की विरासत और राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने अपने भतीजे पर विश्वास जताया था।*
- *हालांकि 7 मई, 2024 को आकाश की गलतबयानी की वजह से मायावती ने उनसे सभी जिम्मेदारियां छीन ली थीं। आकाश को अपने उत्तराधिकारी पद के साथ ही नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से भी हटा दिया था। मायावती ने कहा था कि आकाश अभी अपरिपक्व (इमेच्योर) हैं।*
- *हालांकि 47 दिन बाद मायावती ने अपना फैसला पलट दिया था। 23 जून 2024 को उन्होंने भतीजे आकाश को फिर से अपना उत्तराधिकारी बनाया और नेशनल कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी भी सौंप दी थी। अब फिर मायावती ने आकाश आनंद से सारी जिम्मेदारियां छीन ली हैं।*

सरमा का राहुल और ममता पर निशाना

हिंदुओं को मुसलमान-ईसाई से नहीं, लेफ्ट लिबरल से खतरा

वे खुद खत्म हो जाएंगे पर हिंदू धर्म नहीं

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हिंदुओं को मुसलमान और ईसाई से नहीं, बल्कि लेफ्ट लिबरल से खतरा है। हिमंत ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ लोगों का भाषण जब मैं सुनता हूं तो वे समझते हैं कि जब से हमने संविधान को स्वीकार किया तब से भारत वर्ष की शुरुआत हुई, पर ऐसा बिलकुल भी नहीं है। भारत एक सभ्यता है जो 5000 वर्ष पुरानी है। औरंगजेब जिसने प्रण किया था कि वह हिंदू धर्म को खत्म करेगा, हिंदू धर्म को खत्म नहीं कर पाया, लेकिन खुद खत्म हो गया। अगर राहुल और ममता सोचते हैं कि हिंदू खत्म हो जाएगा तो मैं तो कहूंगा आप खत्म हो जाएंगे हिंदू धर्म नहीं।

2014 के पहले तो हालात गंभीर थे

धीरे-धीरे लेफ्ट और लिबरल लोगों ने इस देश को घेर लिया था, फिर ऐसे ही लोगों को पद्मश्री मिली जो खासकर हिंदुओं के खिलाफ बोलती थी। 2014 तक ऐसा लगा कि देश अब उबर नहीं पाएगा। इतने स्कैम हुए हिंदुओं को कटघरे में खड़ा किया गया और कहा गया कि हिंदू मत बोलो सेकुलर बोलो और देश के प्रधानमंत्री ने यहां तक बोला कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार माइनॉरिटी का होगा, लेकिन यदा-यदा ही धर्मस्य और हमारे पास मोदी आए। मैं नहीं मानता कि मुसलमान और ईसाई से हिंदुओं को खतरा है। मैं ऐसा कभी नहीं मानता। दरअसल, ये दोनों भारत में अल्पसंख्यक हैं।

हिंदुओं को कमजोर किया जा रहा

मैं मानता हूं कि हमें सबसे ज्यादा खतरा है लेफ्ट और लिबरल लोगों से है। ये जो बंगाल की आज हालत है। हिंदुओं को यहां कमजोर किया गया। ममता को तो यह विरासत में मिला, लेकिन इसके लिए जिम्मेदार तो लेफ्ट और लिबरल है और आज इस विरासत का ट्रीटमेंट उनको मिल रहा है, मेरी उनसे संवेदना है। आपने हिंदुओं को गोमांस खाना सिखाया, लेकिन आप भूल गए कि हमारे पूर्वज अगर गाय का दूध नहीं पीया होता तो आज हमारा जन्म नहीं होता। मैं हमेशा मानता हूं कि जब तक भारत ने हिंदू सुरक्षित रहेगा, तब तक अन्य धर्म भी सुरक्षित रहेंगे।

तेलंगाना सुरंग में फंसे लोगों को निकालने की जद्दोजहद

आज कन्वेयर बेल्ट की हो जाएगी मरम्मत

गाद हटाने के प्रयास तेज, यहां कर्मियों और उपकरणों की तैनाती भी बढ़ाई गई

कीचड़ और मलबा हटाने में हो रही दिक्कत

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

तेलंगाना में सुरंग में फंसे लोगों को निकालने के प्रयास जारी हैं। अब गाद हटाने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। कर्मियों और उपकरणों की तैनाती बढ़ा दी है। क्षतिग्रस्त कन्वेयर बेल्ट को भी ठीक किया जा रहा है और सोमवार तक मरम्मत होने की उम्मीद है। इसके बाद ही सुरंग से कीचड़ और मलबा हटाना आसान हो जाएगा, जिससे लापता लोगों को ढूंढने में भी आसानी होगी।

सुरंग में फंसे 4 लोगों के बारे में पता चला

शनिवार को बचाव अभियान में एक महत्वपूर्ण सफलता मिली, जब सुरंग के अंदर फंसे 8 में से 4 लोगों का पता चला। राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार का उपयोग किया और 4 लोगों की स्थिति के बारे में पता लगाया। सोमवार को अहम खबर मिल सकती है।

बचाव अभियान में बड़े पैमाने पर जुटे कर्मचारी : बचाव अभियान में 18 संगठन, 54 अधिकारी और 703 कर्मी लगे हुए हैं। 22 फरवरी से श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल सुरंग की छत ढह जाने से उसमें 8लोग फंस गए थे। इन्हीं 8 लोगों को सुरक्षित निकालने का अभियान चल रहा है।

हिंदी थोपने का विरोध करूंगा : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को अपना 72वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर उन्होंने कहा- मैं जन्मदिन पर संकल्प लेता हूं कि हिंदी भाषा को थोपने का विरोध करूंगा। केंद्र सरकार क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने के नाम पर ट्राई लैंग्वेज पॉलिसी लागू कर रही है। असल में यह पॉलिसी गैर-हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी थोपने की साजिश है। स्टालिन ने पंजाब और तेलंगाना की सराहना की कि उन्होंने स्कूलों में पंजाबी और तेलुगु को अनिवार्य किया है। साथ ही कहा कि दोनों राज्यों ने केंद्र की भाजपा सरकार के इस झूठ को उजागर किया है कि न्यू एजुकेशन पॉलिसी के तहत ट्राई लैंग्वेज पॉलिसी को क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने और फैलाने के लिए लागू किया जा रहा है।

बिहार में कई स्थानों पर गंगा नदी का जल नहाने लायक नहीं

बैक्टीरिया की अधिक संख्या के कारण पानी दूषित ■ बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 से सामने आई जानकारी

पटना (एजेंसी)। बिहार में ज्यादातर जगहों पर गंगा नदी का जल नहाने लायक तक नहीं है। बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 में यह जानकारी देते हुए कहा गया है कि ऐसा प्रति इकाई गंगा जल में बैक्टीरिया की अधिक संख्या (हाई वैल्यू ऑफ बैक्टीरियल पापुलेशन) की मौजूदगी के कारण है। अधिकारियों ने बताया कि बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड हर पखवाड़े राज्य में 34 स्थानों पर गंगा के पानी की गुणवत्ता की निगरानी करता है। राज्य विधानसभा में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, गंगा के पानी में बैक्टीरिया की उच्च संख्या (कोलीफॉर्म और फीकल कोलीफॉर्म की कुल मात्रा) में मौजूदगी का संकेत मिलता है। यह मुख्य रूप से गंगा और उसकी सहायक नदियों के किनारे बसे शहरों से सीवेज/घरेलू अपशिष्ट के गंगा जल में प्रवाहित होने के कारण है। सर्वेक्षण में कहा गया है, "अन्य पैरामीटर... पीएच (अम्लता या क्षारीयता), घुलित ऑक्सीजन और जैव-रासायनिक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) बिहार में नदी और उसकी सहायक नदियों में निर्धारित सीमा के भीतर देखी गई है, जो दर्शाता है कि पानी जलीय जीवन, वन्यजीवों के प्रजनन, मत्स्य पालन और सिंचाई के लिए उपयुक्त है।

अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी के लिए सार्वजनिक सूचना

प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 (यहां इसके पश्चात "एक्ट") के प्रवर्तन और वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रत्याभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत आईआईएफएल होम फाइनेंस लिमिटेड (पूर्व में इंडिया इन्फोलाइन हाउसिंग फाईनेंस लि. के रूप में जानी जाती) (आईआईएफएल-एचएफएल) कार्पोरेट कार्यालय प्लॉट नं. 98, उद्योग विहार, फेज-IV, गुड़गांव -122015 (हरियाणा) और शाखा कार्यालय "प्रथम तल, नया बाजार रोड, कृष्णा कॉलोनी, भिवानी-127021" के पास गिरवीकृत अचल सम्पत्ति की बिक्री। चूंकि आईआईएफएल-एचएफएल के प्राधिकृत अधिकारी ("एओ") आईआईएफएल-एचएफएल को देय राशि की वसूली हेतु "जैसा है जहां है, जैसा है आधार और बिना आवलम्ब आधार" पर इसकी बिक्री के अधिकार सहित निम्नलिखित ऋण अकाउंट्स / प्रॉस्पैक्ट नम्बर में अधिनियम की धारा 13 (2) के तहत जारी नोटिस के अनुसरण में निम्नलिखित सम्पत्ति/यों का कब्जा ले चुके थे, बिक्री वेबसाइट : www.iiflonehome.com पर उपलब्ध करवाए गए ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी द्वारा की जाएगी।

कर्जदार(ों)/ सह-कर्जदार(ों)/ गारंटर(ों)	डिमांड नोटिस तिथि और राशि	अचल सम्पत्ति/प्रत्याभूत परिसम्पत्ति का वर्णन	भौतिक कब्जे की तिथि	आरक्षित मूल्य
1. श्री चमन 2. श्रीमती सीता पत्नी चगन 3. चमन ज्यूलरी शॉप (प्रोस्पेक्ट नं. IL10406620)	20- दिस-2023 रु. 8,08,031/- (रुपये आठ लाख आठ हजार इकतीस केवल) चोली चढ़ौतरी राशि रु. 25,000/- (रुपये पच्चीस हजार केवल)	मकान / प्लॉट यूआईडी 1234, चौहान पाना, आबादी देह, लोहारी जाटू, लाल डोहरा, बयाणो खेड़ा, भिवानी, हरियाणा, भारत-127021 वाली सम्पत्ति के सभी भाग व हिस्से। क्षेत्रफल माप (वर्ग फुट में) : सम्पत्ति प्रकार : Land_Area, Built_Up_Area, Carpet_Area सम्पत्ति क्षेत्रफल : 1009.00, 949.00, 759.00 (क्षेत्रफल माप : 908.10 वर्गफुट)	11- फर.-2025 कुल बकाया दिनांक 05 फरवरी 2025 के अनुसार रु. 9,24,162 /- (रुपये नौ लाख चौबीस हजार एक सौ बासठ केवल)	रु. 10, 30,000/- (रुपये दस लाख तीस हजार केवल) धरोहर राशि जमा (ईएमडी) रु. 1,03,000/- (रुपये एक लाख तीन हजार केवल)

सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि	ईएमडी अन्तिम तिथि	ई-नीलामी की तिथि/समय
02 अप्रैल 2025 1100 बजे - 1400 बजे	04 अप्रैल 2025 अप. 5.00 बजे तक	08 अप्रैल 2025 1100 बजे - 1300 बजे

भुगतान का मोड :- ईएमडी भुगतान केवल ऑनलाइन मोड के तहत किये जाने है। भुगतान करने के लिये आपको https://www.iiflonehome.com पर पधारना होगा और केवल सम्पत्ति /प्रत्याभूत परिसम्पत्ति हेतु उपलब्ध लिंक के माध्यम से भुगतान करना होगा। टिप्पणी : प्रत्येक सम्पत्ति/प्रत्याभूत परिसम्पत्ति हेतु भुगतान लिंक अलग है। सुनिश्चित करें आप सार्वजनिक नीलामी के तहत खरीदने के लिये इच्छुक सम्पत्ति/प्रत्याभूत परिसम्पत्ति के लिंक का उपयोग कर रहे हैं।
बकाया भुगतान हेतु - लॉगइन करें https://www.iiflonehome.com >My Bid >Pay Balance Amount

नियम एवं शर्तें :-

1. ई-नीलामी में भाग लेने के लिये, इच्छुक बोलीदाताओं को पहले ही सेवाप्रदाता https://www.iiflonehome.com के पास अपने विवरण पंजीकरण करवाना आवश्यक है और लॉगइन अकाउंट, लॉगइन आईडी और पासवर्ड बनाना होगा। इच्छुक बोलीदाताओं को ऊपर वर्णित शाखा कार्यालय में भुगतान विवरण के तहत ईएमडी, केवाईसी और पैन कार्ड की प्रति सहित अपना "निविदा प्रपत्र" जमा करवाना / भेजना होगा।
2. बोलीदाता कॉलम "बोली बढ़ौतरी राशि" के तहत वर्णित राशि के गुणज में अपने प्रस्ताव सुधारेंगे। यदि बोली नीलामी बंद होने के समय के अन्तिम 5 मिनट में रखी जाती है, बंद होने का समय स्वतः ही 5 मिनट के लिये बढ़ा दिया जाएगा।
3. सफल बोलीदाता को बोली राशि का 25% (ईएमडी समायोजित करने के बाद) एओ द्वारा बोली मूल्य की स्वीकृति के 24 घंटे के भीतर और बोली राशि का शेष 75% सिक्योर्ड क्रेडिटर द्वारा बिक्री की पुष्टि की तारीख से 15 दिनों के भीतर जमा करना चाहिए। सभी जमा और भुगतान भुगतान के निर्धारित तरीके में होंगे।
4. खरीदार को उपकर, लागू स्टांप ड्यूटी, शुल्क और कोई अन्य वैधानिक बकाया या अन्य देय जैसे नगरपालिका कर, बिजली शुल्क, भूमि और अन्य सभी आकस्मिक लागत, संपत्ति से संबंधित सभी करों और लागत दरों सहित चार्जेज वहन करने होंगे।
5. खरीददार को बिक्री राशि के लेन-देन / भुगतान करने के लिए टीडीएस अप्लीकेशन भुगतान करना होगा और आईआईएफएल एचएफल के पास टीडीएस प्रमाण-पत्र जमा करवाना होगा।
6. बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे ई-नीलामी बिक्री कार्यवाही में भाग लेने के लिये अपनी बोलियां जमा करवाने से पहले नीलामी बिक्री और नीलामी आवेदन पत्र के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट https://www.iiflonehome.com और https://www.iifl.com/home-loans/properties-for-auction को पढ़ें।
7. विक्रण, ई नीलामी पर मदद प्रक्रिया और ऑनलाइन ट्रेनिंग हेतु संभाव्य बोलीदाता सेवाप्रदाता से सम्पर्क कर सकते हैं ई मेल आईडी :- care@iiflonehome.com, सपोर्ट हैल्पलाइन नम्बर : @1800 2672 499
8. सम्पत्ति विवरण, सम्पत्ति के निरीक्षण और ऑनलाइन बोली इत्यादि से सम्बन्धित किसी पृष्ठताछ के लिये आईआईएफएल एचएफएल टोल फ्री नं. 1800 2672 499 पर 09:30 बजे से 18:00 बजे के बीच सोमवार से शुक्रवार तक कॉल करें अथवा care@iiflonehome.com पर ई-मेल लिखें।
9. उपरोक्त कर्जदारों को एतद् द्वारा 7 दिनों के भीतर भौतिक कब्जा लेने के समय प्रत्याभूत परिसम्पत्ति में रखे गये घरेलू सामानों को एकत्र करने के लिए नोटिस दिया जाता है, अन्यथा आईआईएफएल -एचएफएल परिस्थितियों के तहत संपत्ति के किसी भी नुकसान के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।
10. इसके अलावा कर्जदारों को एतद् द्वारा नोटिस दिया जाता है कि यदि वे उपरोक्त वस्तुओं को एकत्र करने में विफल रहते हैं तो उन्हें कानून के अनुसार बेचा जाएगा।
11. सफल बोलीदाता / नीलामी खरीदकर्ता द्वारा किसी भी स्तर पर उपरोक्त निर्धारित समय के भीतर भुगतान में चूक के मामले में, बिक्री रद्द कर दी जाएगी और पहले से भुगतान की गई राशि (ईएमडी सहित) को जब्त कर लिया जाएगा और संपत्ति को फिर से बिक्री के लिए रखा जाएगा।
12. एओ बिना कोई कारण बताए निविदा/नीलामी को स्थगित करने / रद्द करने अथवा नियम एवं शर्तों को बदलने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं। निविदा/नीलामी में किसी भी विवाद की स्थिति में, आईआईएफएल-एचएफएल के एओ का निर्णय अंतिम होगा।

सरफेसी अधिनियम, 2002 के नियम 8 (6) के तहत 30 दिन की वैधानिक बिक्री सूचना

कर्जदारों को एतद् द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि वह निविदा/नीलामी की तारीख से पहले अद्यतन ब्याज और सहायक व्यय के साथ ऊपर वर्णित राशि का भुगतान कर दें, जिसमें विफल रहने पर संपत्ति की नीलामी/बिक्री कर दी जाएगी और यदि कोई बकाया देय राशि है तो ब्याज और लागत के साथ वसूल की जाएगी

स्थान : भिवानी, दिनांक: 03 मार्च 2025 — हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी, आईआईएफएल होम फाइनेंस लिमिटेड

गृहमंत्री शाह ने नशे के खिलाफ अभियान और तेज किया

29 नशा तस्करों को मिली सजा, किसी को नहीं छोड़ेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को घोषणा की कि सरकार देश से नशे के कारोबार को खत्म करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि 12 अलग-अलग मामलों में 29 नशा तस्करों को सजा दी गई है। यह कार्रवाई सरकार की सख्त जांच प्रक्रिया और प्रभावी रणनीति का नतीजा है। शाह ने एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार नशा तस्करों के खिलाफ किसी भी तरह की नरमी नहीं बरतेगी। उन्होंने कहा,ये तस्कर हमारे युवाओं को नशे की लत में डालकर सिर्फ पैसे कमाने के लिए उनका जीवन बर्बाद करते हैं।

मोदी सरकार नशा तस्करों के खिलाफ कोई भी नरमी नहीं बरतेगी

दिल्ली में सीएम के साथ भी की बैठक

केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर करेंगी काम

सरकार और राज्य प्रशासन मिलकर नशे के कारोबार पर लगातार शिकंजा कस रहे हैं। मणिपुर पर समीक्षा बैठक में गृह मंत्री ने कहा कि राज्य में ड्रग कार्टेल (नशा माफिया) को पूरी तरह खत्म किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मणिपुर को नशामुक्त राज्य बनाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे। गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और मंत्री आशीष सूद के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की।

पंजाब और हिमाचल में छापेमारी

पंजाब में पुलिस ने 290 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। 750 से ज्यादा जगहों पर छापेमारी की और 232 एफआईआर दर्ज की। हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने 6 महीने का विशेष अभियान शुरू किया है, जिसमें पुलिस को नशा बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

लॉरेंस व गोल्डी भी निशाने पर

जेल में भी बंद अपराधियों पर नकेल कसी जाएगी। अपराधियों की संपत्ति कुर्क भी की जा सकती है। कई ऐसे गैंगस्टर हैं, जो रिमोट से भारत में क्राइम को अंजाम देते हैं। गैंगस्टर की भी पहचान की जा रही है। गैंगस्टर्स में गोल्डी बराड़, गैंगस्टर साहिल हिमांशु भाऊ, गैंगस्टर हिमाशु भाऊ, लकी पटियाला, लॉरेंस बिश्नोई, कौशल चौधरी, जग्गू भगवानपुरिया, जग्गा धुरकोट पर शिकंजा कसने की तैयारी है।

तब विकसित राष्ट्र विकासशील देशों को उच्च टैरिफ देने पर सहमत हुए थे

थिंक टैंक जीटीआरआई ने कहा-भारत के टैरिफ डब्ल्यूटीओ के अनुरूप, सरकार को ये बात अमेरिका को बतानी चाहिए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आर्थिक थिंक टैंक जीटीआरआई ने रविवार को कहा कि भारत के आयात शुल्क वैश्विक व्यापार नियमों के अनुरूप हैं और सरकार को अमेरिकी प्रशासन को यह बताना चाहिए। इसने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत करना कई चुनौतियों को प्रस्तुत करता है। जीटीआरआई ने ये भी कहा है कि अमेरिका के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत करना भारत के लिए कई चुनौतियां ला सकता है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव का कहना है कि भारत द्वारा जो टैरिफ लगाए जाते हैं, वे डब्ल्यूटीओ के ही अनुरूप हैं। इन्हें साल 1995 में अमेरिका सहित सभी देशों ने मंजूर किया था।

साल 1995 में जब डब्ल्यूटीओ की स्थापना हुई थी

ट्रंप लगा चुके हैं ज्यादा टैरिफ का आरोप

थिंक टैंक ने कहा कि मुक्त व्यापार समझौते में अमेरिका भारत पर, अमेरिकी फर्मों के लिए सरकारी खरीद खोलने, कृषि सब्सिडी कम करने, पेटेंट सुरक्षा को कमजोर करने और डाटा प्रवाह पर प्रतिबंध हटाने के लिए दबाव डाल सकता है। भारत दशकों से इन मांगों का विरोध करता रहा है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई बार भारत पर उच्च टैरिफ वसूलने का आरोप लगाया है और वे भारत को टैरिफ का दुरुपयोग करने वाला देश भी कह चुके हैं। बता दें कि टैरिफ एक आयात शुल्क है, जो सरकार द्वारा विदेशी सामान पर लगाया जाता है।

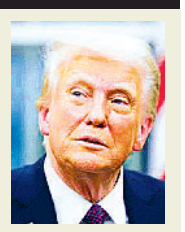

डब्लूटीओ नियमों को अनदेखा कर रहे हैं ट्रंप

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव के संस्थापक अजय श्रीवास्तव का कहना है कि भारत द्वारा जो टैरिफ लगाए जाते हैं, वे डब्ल्यूटीओ के ही अनुरूप हैं। इन्हें साल 1995 में अमेरिका सहित सभी देशों ने मंजूर किया था। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ को लेकर जो आरोप लगाए जा रहे हैं, उन्हें लेकर भारत को अमेरिका के सामने अपना पक्ष स्पष्ट करने की जरूरत है। 166 सदस्यों वाला डब्लूटीओ फोरम एकमात्र अंतरराष्ट्रीय निकाय है जो सदस्यों देशों के बीच व्यापार के नियम तय करता है। साल 1995 में जब डब्ल्यूटीओ की स्थापना हुई थी, तब विकसित राष्ट्र, विकासशील देशों को उच्च टैरिफ देने पर सहमत हुए थे। उन्होंने कहा कि भारत के उच्च टैरिफ के बारे में बात करते समय ट्रंप, डब्ल्यूटीओ के नियमों को आसानी से भूल जाते हैं। जीटीआरआई ने कहा कि अमेरिका द्वारा उच्च शुल्क लगाने की धमकी से निपटने के लिए भारत के पास सबसे अच्छे विकल्प हैं कि अमेरिका को अधिकांश औद्योगिक वस्तुओं पर शून्य टैरिफ की पेशकश करना या फिर बिना किसी प्रतिशोध के नए अमेरिकी टैरिफ को स्वीकार करना।

खबर संक्षेप

आज अमेरिका के लिए रवाना होंगे पीयूष गोयल

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की वॉशिंगटन यात्रा सोमवार से शुरू होगी। एक अधिकारी ने कहा कि भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत करने की योजना बना रहे हैं, और गोयल की यात्रा इसी सिलसिले में होगी। अधिकारी ने कहा कि यह यात्रा तीन मार्च से शुरू होगी और मंत्री शुक्रवार तक अमेरिका में रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल की वाशिंगटन यात्रा के दौरान, भारत और अमेरिका ने 2030 तक आपसी व्यापार को दोगुना से अधिक कर 500 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने की बात कही थी।

5वीं बार फोर्ब्स की लिस्ट में कमाऊ एक्टर बने जॉनसन

न्यूयॉर्क। फोर्ब्स ने हाल ही में दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले मशहूर हस्तियों की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में 'द रॉक' ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। रेसलर से अभिनेता बने ड्वेन जॉनसन अक्सर अलग-अलग वजहों से सुर्खियों में रहते हैं। अब यह उपलब्धि हासिल करके वह एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। यह पहली बार नहीं है कि ड्वेन जॉनसन इस सूची में शामिल हो रहे हैं। अभिनेता पांचवीं बार इस सूची में शामिल हो रहे हैं। अभिनेता ने पहली बार 2016 में 64.5 मिलियन डॉलर की कमाई के साथ इस सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया था।

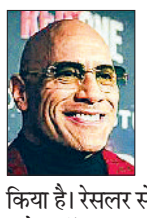

यूक्रेन के साथ शांति समझौते पर काम करेंगे ब्रिटेन और फ्रांस

अमेरिका के खिलाफ एकजुट हुआ यूरोप: 27 देश मिल बैठकर तय करेंगे आगे की रणनीति

एजेंसी ▶▶ लंदन

- जर्मनी, फ्रांस, इटली समेत 27 देशों के नेता बैठक में शामिल होंगे
- यूरोपीय शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहे स्टार्मर

व्हाइट हाउस से अपमानित होकर सीधे लंदन पहुंचे यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की शाही अंदाज में स्वागत करते हुए ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने उन्होंने हाथों हाथ लिया। साथ ही आर्थिक मदद का भरोसा दिलाया और कहा कि ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने रविवार को कहा कि ब्रिटेन और फ्रांस यूक्रेन के साथ एक शांति समझौते पर काम करेंगे और फिर इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ चर्चा करेंगे। उन्होंने इसे शुक्रवार को व्हाइट हाउस में बैठक में हुई तीखी बहस के बाद सही दिशा में एक कदम बताते हुए कहा कि यूक्रेन के समर्थन में यूरोपीय नेताओं की आपात बैठक बुलाई है। इसमें जर्मनी, फ्रांस, इटली समेत 27 देशों के नेता भाग लेंगे। इसी बैठक में आगे की रणनीति तय करेंगे।

बैठक में दोनों देशों की होगी समीक्षा कौन सही कौन गलत

ट्रंप 25 प्रतिशत टैरिफ का ऐलान कर चुके हैं

वहीं ईयू (यूरोपीय यूनियन) के उपाध्यक्ष काजा कलास का कहना है कि 'फ्री वर्ल्ड' को अब नए नेता (ट्रंप नहीं) की जरूरत है। यानी ईयू अब यूक्रेन जंग के नाम पर अमेरिका से अपने संबंधों को कम करने की कोशिशों में आगे बढ़ेगा। वैसे भी ट्रम्प ईयू पर 25% टैरिफ का ऐलान कर चुके हैं। पीएम स्टार्मर ने डाउनिंग में जेलेंस्की की मेजबानी की और फिर मैक्रों व ट्रंप दोनों को फोन किया ताकि यूक्रेन के लिए एकजुटता दिखा सकें और वॉशिंगटन व कीव के बीच तनावपूर्ण संबंधों को सुधार सकें। स्टार्मर यूरोपीय नेताओं के साथ लंदन में एक रक्षा शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। इस शिखर सम्मेलन में फ्रांस, जर्मनी, डेनमार्क, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, पोलैंड, स्पेन, कनाडा, फिनलैंड, स्वीडन, चेक गणराज्य और रोमानिया के नेता भी शामिल होंगे। तुर्की के विदेश मंत्री, नाटो महासचिव और यूरोपी आयोग व यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष भी इसमें शामिल होंगे।

नाटो के खात्मे की शुरुआत, यूक्रेन को अमेरिकी मदद पर रोक

नाटो के खात्मे की शुरुआत हो सकती है। ट्रंप नाटो से अमेरिका के हटने की बात कह चुके हैं। ट्रम्प का आरोप है यूरोपीय देश अपने कोटा का खर्च नाटो में नहीं करते हैं। अमेरिका के नाटो छोड़ने की आशंका पर देर रात नाटो चीफ मार्क रूटे ने कहा, जेलेंस्की को ट्रम्प के साथ संबंध सुधारने चाहिए। ट्रंप पलटवार करने वाले नेता माने जाते हैं। वे यूक्रेन को अमेरिकी मदद पर रोक का फैसला कर सकते हैं। वैसे ट्रंप का दावा है कि अमेरिका यूक्रेन को साढ़े 10 लाख करोड़ रु. की मदद दे चुका। जबकि आंकड़ों के अनुसार यूरोप अब तक यूक्रेन को 12 लाख करोड़ रु. से ज्यादा की मदद दे चुका है।

यूक्रेन को मदद

यूक्रेन को 24 हजार करोड़ का लोन दिया

ब्रिटेन ने यूक्रेन को 24 हजार करोड़ का लोन दिया। इसके लिए शनिवार को ब्रिटिश पीएम स्टार्मर और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने समझौते पर साइन किए। रिपोर्ट के मुताबिक इस लोन को जी-7 देशों की एक्सट्रा-ऑर्डिनरी रेवन्यू एक्सीलरेशन पहल के तहत दिया गया है। इस लोन का इस्तेमाल यूक्रेन के जरूरी हथियार खरीदने में किया जाएगा। पिछले साल अक्टूबर में जी-7 देशों ने यूक्रेन को 50 बिलियन डॉलर यानी 4.3 लाख करोड़ रुपए की मदद देने का वादा किया था।

यूक्रेन को सपोर्ट के मुद्दे पर दो देश सहमत नहीं

यूक्रेन के सपोर्ट के मुद्दे पर यूरोपियन यूनियन (ईयू) के अंदर भी दरार नजर आ रही है। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको का कहना है कि वो यूक्रेन को आर्थिक और सैन्य तौर पर मदद नहीं देंगे। यूक्रेन कभी भी सैन्य ताकत के दम पर रूस को बातचीत के टेबल पर नहीं ला पाएगा। इससे पहले हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने भी जेलेंस्की के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का सपोर्ट किया है। व्हाइट हाउस में दोनों के बीच हुई बहस के बाद उन्होंने ट्रंप को मजबूत और जेलेंस्की को कमजोर कहा था। उन्होंने ट्रंप का धन्यवाद भी किया था।

दूसरी चरण की बातचीत बाकी

इजराइल ने गाजा में राहत सामग्री की आपूर्ति व मदद पर रोक लगाई

रमजान में यह निर्णय पर हो रही निंदा

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

इजराइल ने रविवार को गाजा पट्टी में सभी तरह की राहत सामग्री की आपूर्ति और मानवीय सहायता पर रोक लगाने के साथ चेतावनी दी कि यदि हमास ने संघर्ष विराम के विस्तार के लिए अमेरिकी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया तो उसे अतिरिक्त परिणाम भुगतने होंगे।

हमास ने इजराइल पर नाजुक संघर्ष विराम समझौते को पटरी से उतारने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सहायता बंद करने का उसका फैसला जबरन वसूली का घटिया हथकंडा, युद्ध अपराध और (संघर्ष विराम) समझौते पर हमला है।

इजराइल-हमास के बीच संघर्ष विराम का पहला चरण शनिवार को समाप्त हो गया। इसमें मानवीय सहायता में वृद्धि शामिल थी। दोनों पक्षों के बीच अभी दूसरे चरण पर बातचीत होनी बाकी है।

20 अप्रैल 25 तक संघर्ष विराम को आगे बढ़ाने के पक्ष में

सहायता रोकने के पीछे ट्रंप की सलाह

जिसमें इजराइल के अपनी सेना वापस बुलाने और स्थायी युद्ध विराम के बदले में हमास दर्जनों शेष बंधकों को रिहा करेगा। एक इजराइली अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि सहायता निलंबित करने का निर्णय ट्रंप प्रशासन के समन्वय से लिया गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का कार्यालय ने रविवार सुबह कहा कि इजराइल 'पासओवर' या 20 अप्रैल तक संघर्ष विराम को आगे बढ़ाने के पक्ष में है। इसने कहा कि यह प्रस्ताव अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के पश्चिम एशिया के दूत स्टीव विटकॉफ की ओर से आया है। नेतन्याहू के कार्यालय के मुताबिक, प्रस्ताव के तहत आधे बंधकों को, चाहे वे जीवित हों या मृत, पहले दिन छोड़ा जाएगा और अगर स्थायी युद्ध विराम पर सहमति बन जाती है तो बाकी को रिहा कर दिया जाएगा।

मिस्र ने इजराइल के फैसले की निंदा की

मिस्र ने गाजा पट्टी पर पूर्ण घेराबंदी करने के इजराइल के फैसले की निंदा की है और उस पर भुखमरी को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती ने रविवार को इजराइल-हमास युद्धविराम के अगले चरण के तत्काल कार्यान्वयन का आह्वान किया। मिस्र ने हमास-इजराइल के बीच युद्धविराम के लिए प्रमुख मध्यस्थ के रूप में काम किया है।

जूते चप्पल वापस लेने के लिए 5 किमी की दूरी

अयोध्या में भक्तों के लावारिस हुए जूते-चप्पल बने बड़ी समस्या

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

अयोध्या में भक्तों की उमड़ी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए व्यवस्थागत बदलाव के चलते राम मंदिर के प्रवेश द्वार के पास करीब एक महीने से रोजाना बड़ी संख्या में लावारिस जूते-चप्पल एकत्र हो रहे हैं। नगर निगम पहले ही वहां से बड़ी संख्या में जूते-चप्पल हटा चुका है।

ये जूते-चप्पल तीर्थयात्रियों के हैं, जिन्होंने इन्हें राम पथ पर स्थित मुख्य प्रवेश द्वार गेट संख्या एक पर उतार दिया था। शुरुआत में, लगभग आधा किलोमीटर का गोलाकार मार्ग पूरा करने के बाद, तीर्थयात्री उसी द्वार (गेट संख्या एक) से बाहर निकलते थे और अपने जूते-चप्पल लेते थे।

हालांकि, बढ़ती भीड़ के कारण, अयोध्या प्रशासन ने गेट संख्या तीन और अतिरिक्त द्वारों के माध्यम से निकास को पुनर्निर्देशित किया।

मादक पदार्थः नेपाल पुलिस ने दो भारतीयों को पकड़ा

काठमांडू। नेपाल पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में दो भारतीयों समेत तीन लोगों को रविवार को नेपालगंज से गिरफ्तार किया। नेपाल पुलिस ने बताया कि भारत के कोलकाता निवासी जियाउल हक शेष (38) और किशोर (18), नेपालगंज निवासी नफीस मोहम्मद कबाडिया को गिरफ्तार कर उनके पास से ट्रामाडोल नामक मादक पदार्थ की 5,000 गोलियां बरामद की। इसमें बताया गया कि जायसपुर पुलिस थाने से भेजी गई पुलिस की एक टीम ने भारत से नेपाल की ओर जा रही एक भारतीय नंबर प्लेट वाली मोटरसाइकिल की जांच के दौरान तीनों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

नासा ने किया ऐलान

मार्च के आखिरी सप्ताह में सुनीता की होगी वापसी

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बैरी विल्मोर को लेकर अच्छी खबर सामने आई है। सुनीता विलियम्स और बैरी विल्मोर अंतरिक्ष से जल्द ही पृथ्वी पर वापसी होने वाली है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि करते हुए कहा कि सुनीता विलियम्स और विल्मोर मार्च 2025 के आखिरी में पृथ्वी पर वापस आएंगे। नासा के दोनों अंतरिक्ष यात्री आठ महीने से ज्यादा समय से अन्तरराष्ट्रीय अन्तरिक्ष स्टेशन पर फंसे हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुनीता और बैरी विल्मोर की वापसी पहले जल्दी होने वाली थी, लेकिन मिशन के पुनर्निर्धारण और तकनीकी समस्याओं की वजह से इनमें देरी हुई है। क्रू-10 मिशन के आने से उनकी वापसी जुड़ी है।

महाकुंभ में 54 हजार से अधिक श्रद्धालु हुए गुम

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

प्रयागराज महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान किया। इस दौरान कुल 54,357 लोग अपने परिवारों से बिछड़ गए।

योगी सरकार द्वारा स्थापित डिजिटल खोया-पाया केंद्रों ने 35 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को उनके परिजनों से मिलाया। मकर संक्रांति पर्व पर 598, मौनी अमावस्या के दौरान 8,725 और बसंत पंचमी पर 864 लोगों को उनके परिवारों से मिलाया गया। अन्य स्नान पर्वों और सामान्य दिनों में 24,896 लोगों का पुनर्मिलन कराया गया। पुलिस ने भी देश के विभिन्न राज्यों और नेपाल से आए श्रद्धालुओं को उनके परिवारों से मिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महाकुंभ में खोए हुए लोगों की मदद के लिए योगी सरकार की यह डिजिटल पहल बेहद कारगर साबित हुई। इस तरह कुंभ के दौरान कुल 35,083 लोगों को उनके परिजनों से मिलाया गया।

हाईटेक खोया-पाया केंद्र और शिविरों ने बिछड़ों को मिलाया

महाकुंभ के आखिरी दिन 19,274 को मिलाया

इनमें सबसे पुराना भारत सेवा केंद्र एवं हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति भी शामिल हैं। भारत सेवा केंद्र के भूले भटकों के शिविर के संचालक उमेश चंद्र तिवारी के मुताबिक, महाकुंभ के समापन तक शिविर ने 19,274 बिछड़े महिला और पुरुष को अपनों से मिलाया।

लैंडर अब लगातार मानव मिशन के लिए डेटा जुटाकर देता रहेगा फीडबैक

ब्लू घोस्ट लैंडर चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरा, मानव मिशन की तैयारी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अंतरिक्ष की दुनिया में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि जुड़ गई। अमेरिका की निजी कंपनी फायरफ्लाई एयरोस्पेस का 'ब्लू घोस्ट लैंडर रविवार को चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतर गया। मिशन का उद्देश्य भविष्य के मानव मिशनों की तैयारी के लिए चंद्रमा पर आवास, संसाधन और जलवायु अध्ययन के लिए डाटा जुटाना है। यह नासा के लिए 10.1 करोड़ डॉलर यानी लगभग 884 करोड़ रुपए की लागत से खास उपकरण लेकर गया है।

- चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाली बनी दूसरी निजी कंपनी
- चांद पर उतरने के बाद ब्लू घोस्ट ने ली पहली तस्वीर

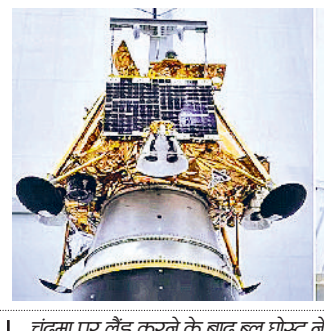

चंद्रमा की सतह से ली तस्वीर धरती पर भेजी

चंद्रमा पर लैंड करने के बाद ब्लू घोस्ट ने चांद की सतह से ली गई अपनी पहली तस्वीर भेजी है, जो जबर्दस्त है। फायरफ्लाई एयरोस्पेस द्वारा पहली सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया कि स्नैपशॉट में ब्लू घोस्ट की सभी खूबियाँ समाहित हैं। साहसिक महत्वाकांक्षा, अजेय प्रेरणा और नवाचार की भावना।

15 जनवरी को लॉन्च हुआ था मिशन

इस मिशन को फ्लोरिडा से जनवरी के बीच में लॉन्च किया गया था। ये लैंडर नासा के लिए चंद्रमा पर 10 प्रयोग करेगाण। स्पेस एजेंसी नासा ने लैंडर की डिलीवरी के लिए 101 मिलियन डॉलर और बोर्ड पर मौजूद विज्ञान और तकनीक के लिए 44 मिलियन डॉलर का भुगतान किया है। ये नासा के वाणिज्यिक चंद्र डिलीवरी कार्यक्रम के तहत तीसरा मिशन है। इसके साथ एक जापानी कंपनी आई स्पेस पेंचबमद्ध का तीसरा लैंडर भी भेजा गया है जो मई के महीने में चंद्रमा की सतह पर लैंड करेगा।

यान में लगी ड्रिल नापेगी तापमान

चांद पर भेजे गए इस मिशन में एक खास वैक्यूम उपकरण लगाया गया था जो वहां की मिट्टी को विश्लेषण के लिए सुरक्षित रखता है इसके इस यान में एक ड्रिल भी लगाई गई थी जो चांद की सतह के 10 फीट करीब 3 मीटर नीचे तक पहुंचकर वहां का तापमान रिकॉर्ड कर सकती है। जिसका काम चंद्रमा की सतह पर मौजूद खुरदरी और नुकसानदायक धूल को हटाना था। यह वही धूल है जिसने नासा के ऐतिहासिक अपोलो मिशन के दौरान वहां गए अंतरिक्ष यात्रियों की स्पेस सूट और उपकरणों को पूरी तरह से ढक दिया था।

स्थिर बनी हुई है हालत

ब्रोंकोस्पज्म बीमारी से पीड़ित हैं धर्मगुरु.... पोप फ्रांसिस

पेरिस (एजेंसी)। कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस की हालत स्थिर बनी हुई है, उन्हें पिछले दिनों डबल निमोनिया अटैक के कारण वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स से पता चलता है कि पहले की तुलना में उनकी हालत में थोड़ा सुधार जरूर है, पर अब भी उन्हें खतरे से बाहर नहीं माना जा रहा है। शुक्रवार को कुछ स्वास्थ्य जटिलताएं देखी गई थीं हालांकि अब उसमें काफी सुधार है। बिना वेंटिलेटर मास्क के भी अब वह सांस ले पा रहे हैं।

चिकित्सकों की देखरेख में पोप, रख रहे नजर

फिलहाल वह लगातार चिकित्सकों की देखरेख में हैं। वेटिकन ने एक रिपोर्ट में बताया कि पोप फ्रांसिस 'ब्रोंकोस्पज्म' नामक श्वसन समस्या से पीड़ित हैं, जिसके कारण पिछले कुछ समय से उन्हें सांस लेने में गंभीर जटिलताओं का सामना करना पड़ रहा था। ब्रोंकोस्पज्म तब होता है जब आपकी ब्रोंकाई (फेफड़ों का वायुमार्ग) को लाइन करने वाली मांसपेशियों में कसावट आ जाती है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25